मनेन्द्रगढ़

01 सितम्बर 2025 सोमवार

दैनिक **मीडियाऑडीटर**

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

अक्षर पटेल से छिनेगी @ पेज 7

मन की बात: मोदी बोले- प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रहीं

यूपीएससी में सिलेक्ट न होने वाले उमीदवारों को प्रतिभा सेतु के जरिए नौकरी

नई दिल्ली ,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने रेडियो शो मन की बात के 125वें एपिसोड में प्राकृतिक आपदा, खेल-खिलाड़ी, इनोवेशन, शिक्षा, वोकल फॉर लोकल पर बात की। उन्होंने कहा- इस मानसून के मौसम में प्राकृतिक आपदाएं हमारे देश की परीक्षा ले रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों हमने भीषण बाढ़-भूस्खलन देखे। इन घटनाओं ने हर भारतीय को दुख पहुंचाया है। हम उन परिवारों के दुख में शामिल हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। जहां भी आपदाएं आई, हमारे NDRF-SDRF के जवानों ने अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर, दिन-रात अथक परिश्रम किया है।

पीएम ने कहा कि कई उम्मीदवार यूपीएससी की फाइनल लिस्ट में जगह नहीं बना सके। उनकी जानकारी डिजिटल प्लेटफॉर्म प्रतिभा सेतु एप पर उपलब्ध कराई जा रही है। जो देश की बड़ी-बड़ी कंपनियों के साथ शेयर की जाएगी, ताकि उन्हें इन कंपनियों में अच्छी जॉब मिल सके।

पीएम ने कहा- सितंबर में हम हैदराबाद लिबरेशन डे मनाएंगे : सितंबर में हम हैदराबाद लिबरेशन डे मनाएंगे। ये वही महीना है जब हम उन सभी वीरों के साहस को याद करते हैं जिन्होंने ऑपरेशन पोलो में हिस्सा लिया था। उन्होंने कहा- जब अगस्त 1947 में भारत को आजादी मिली, तो हैदराबाद अलग ही स्थिति में था। निजाम-रजाकारों के अत्याचार दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे थे। तिरंगा फहराने या वंदे मातरम् कहने पर भी मौत के घाट उतार दिया जाता था। महिलाओं और गरीबों पर अत्याचार किए जाते थे। उस समय बाबा साहेब अंबेडकर ने भी चेतावनी दी थी कि ये समस्या बहुत बड़ी बनती जा रही है। सरदार पटेल ने मामले को अपने हाथ में लिया। उन्होंने सरकार को ऑपरेशन पोलो शुरू करने के लिए तैयार किया। रिकॉर्ड समय में हमारी सेनाओं ने हैदराबाद को निजाम की तानाशाही से आजाद कराया और उसे भारत का हिस्सा बनाया। पूरे देश ने इस सफलता का उत्सव मनाया।

पीएम ने गिनाई जम्मू-कश्मीर की उपलब्धियां : पीएम मोदी ने कहा- बाढ़ और बारिश से हुई तबाही के बीच जम्मू-कश्मीर ने दो बेहद खास उपलब्धियां भी हासिल की हैं। पुलवामा के एक स्टेडियम में रिकॉर्ड संख्या में लोग इकट्ठा हुए। पुलवामा का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच यहीं खेला गया। पहले यह नामुमकिन था, लेकिन अब मेरा देश बदल रहा है।

इंदौर आ रही एअर-इंडिया फ्लाइट लौटी, दिल्ली में सेफ लैंडिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली से इंदौर पर जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI2913 (ए-320 नियो विमान) को दिल्ली लौटा लिया गया। पायलट को दाहिने इंजन में आग लगने की सूचना मिली थी। एअर इंडिया ने कहा- रविवार सुबह 6.15 बजे 90 यात्रियों के साथ प्लेन ने उड़ान भरी थी। करीब आधे घंटे बाद इंजन में फायर इंडिकेशन मिला। स्टैंडर्ड प्रोसेस के तहत पायलट ने इंजन बंद किया। बाद में प्लेन की एयरपोर्ट पर सेफ लैंडिंग हुई।

एयरलाइन ने कहा कि प्लेन का ग्राउंड इंस्पेक्शन कराया जाएगा। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) को भी घटना की जानकारी दी गई है।

वायुसेना को सितंबर में 2 तेजस मार्क-1ए मिल सकते हैं

सरकार HAL से 97 नए फाइटर जेट भी खरीदेगी, रक्षा सचिव ने कन्फर्म किया

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा सचिव आरके सिंह ने शनिवार को कहा कि हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) सितंबर में भारतीय वायुसेना को दो तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमान सौंप सकता है। इन विमानों में वेपंस इंटीग्रेशन यानी हथियारों को जोड़ा भी किया गया है। इसके अलावा सिंह ने बताया, सरकार HAL के साथ 97 और तेजस खरीदने का नया करार करने जा रही है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 67,000 करोड़ रुपए होगी।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में 2 आतंकी गिरफ्तार, हथियार भी बरामद

जम्मू, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर के सीमा जिले पुंछ में पुलिस ने रविवार को दो आतंकवादियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए आतंकवादियों की पहचान आज़माबाद के तारिक शेख और चेंबर गांव के रियाज अहमद के रूप में हुई। पुलिस ने बताया कि शेख के घर पर छापेमारी कर उन्हें और उनके सहयोगी अहमद को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ के बाद पुलिस टीम ने शेख के जालियां गांव में किराए के मकान पर भी छापा मारा और वहां से दो असॉल्ट राइफल और कुछ कारतूस बरामद किए।

चीन के तियानजिन में एससीओ के इतर में मोदी-शी की अहम वार्ता

जिनपिंग ने कहा- ड्रैगन और हाथी साथ आएं

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के इतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से वार्ता की। यह उनकी लगभग दस माह बाद हुई पहली द्विपक्षीय वार्ता है। इसका उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने शुरुआती वक्तव्य में कहा कि पिछले वर्ष कज़ान में हुई वार्ता ने भारत-चीन संबंधों को सकारात्मक दिशा दी। उन्होंने उल्लेख किया कि सीमा पर हुए डिसइंगेजमेंट के बाद शांति और स्थिरता का माहौल बना है। मोदी ने जोर दिया कि यह माहौल दोनों देशों के रिश्तों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।

मोदी ने बताया कि कैलाश मानसरोवर यात्रा दोबारा शुरू हो गई है। यह यात्रा न केवल धार्मिक महत्व रखती है, बल्कि दोनों देशों के लोगों को जोड़ने का माध्यम भी है। उन्होंने इसे आपसी विश्वास और सहयोग का प्रतीक बताया। यह निर्णय दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों की पुनः शुरुआत हो रही है। उन्होंने इसे व्यावसायिक, सांस्कृतिक और जनसंपर्क के लिए अहम कदम बताया। मोदी ने कहा कि इस सहयोग से दोनों देशों के 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हैं और यह पूरी मानवता के कल्याण की दिशा में योगदान करेगा।

मोदी ने स्पष्ट किया कि भारत-चीन संबंध आपसी विश्वास, सम्मान और संवेदनशीलता पर आधारित होंगे। उन्होंने चीन की सफल एससीओ अध्यक्षता पर बधाई दी और आमंत्रण के लिए धन्यवाद व्यक्त किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि सहयोग और संवाद से दोनों देशों के रिश्ते नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकते हैं।

तियानजिन में रविवार को आयोजित इस बैठक में हिस्सा लेने के लिए मोदी सात वर्षों बाद चीन पहुंचे हैं। एससीओ शिखर सम्मेलन 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चल रहा है। इसमें 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्ष और शासन प्रमुख भाग ले रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम सम्मेलन के दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात का है।

पंजाब के 1000 से ज्यादा गांवों में बाढ़

● हिमाचल में मणिमहेश यात्रा रोकी ● यूपी के बलिया में 24 घंटे में 24 घर गंगा में समाए

पठानकोट/देहरादून,एजेंसी। पंजाब के आठ जिलों में भारी बारिश के बाद 1018 गांवों में बाढ़ की स्थिति है। बाढ़-बारिश में अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। 3 लोग लापता हैं। 11 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित जगह शिफ्ट किया गया है

रावी नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरदासपुर के घोनेवाले में धुस्सी बांध टूट गया। इसके चलते पानी करीब 15 किलोमीटर दूर अजनाला शहर तक पहुंच गया। बाढ़ की वजह से 80 गांव पानी में डूबे हैं।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के बदर गांव में शनिवार सुबह लैंडस्लाइड हुई। मलबे से अब तक 7 शव बरामद किए गए हैं। वहीं, रामबन के राजगढ़ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई। एक महिला लापता है। कटरा में वैष्णो देवी यात्रा 6 दिन से रुकी है।

इधर, हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में मणिमहेश यात्रा रोकी गई है। इसमें अब तक 10 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है, 4 अभी भी लापता हैं और 7 अन्य घायल हो गए हैं।

उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश से 18 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। अब तक 774 मकान बारिश में ढह चुके हैं। बलिया में गंगा किनारे तेजी से कटान हो रहा है। इसके चलते 24 घंटों में चक्की नौरंगा और भगवानपुर क्षेत्र के 24 मकान गंगा में समा गए।

सीएम सुक्खू का कुल्लू दौरा रद्द, मंडी में पलटी एम्बुलेंस लैंडस्लाइड में गाड़ियां दबीं; 830 श्रद्धालुओं का रेस्क्यू

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में लगातार बारिश और भूस्खलन से हालात बिगड़ रहे हैं। मौसम विभाग ने दोपहर 3 बजे तक सिरमौर, बिलासपुर और सोलन में रेड अलर्ट, जबकि ऊना, शिमला, हमीरपुर, कुल्लू, चंबा, कांगड़ा और मंडी में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। चंबा-भरमौर मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन और खराब मौसम के कारण मणिमहेश यात्रा निलंबित है। इस बीच रास्ते में फंसे श्रद्धालुओं का NDRF की टीमें लगातार रेस्क्यू कर रही हैं। आज 830 श्रद्धालुओं को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। खराब मौसम के चलते मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपना कुल्लू दौरा रद्द कर दिया, यहां वह आपदा प्रभावित इलाकों का जायजा लेने वाले थे। तो वहीं, चंडीगढ़-मनाली फोरलेन पर रविवार तड़के एक एम्बुलेंस दवाड़ा के पास 30 फीट गहरी खाई में गिरकर पलट गई। हादसे में चालक बाल-बाल बच गया।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री के चीन दौरे पर उठाए सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिका के साथ टैरिफ विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की चीन यात्रा की कांग्रेस पार्टी ने आलोचना की है। पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात पर सवाल खड़े करते हुए कहा कि इस दौरे का मूल्यांकन राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक हितों के संदर्भ में किया जाना चाहिए। जयराम रमेश ने अपने एक्स पिस्ट में कहा कि जून 2020 में गलवान घाटी में चीनी आक्रामकता के दौरान 20 भारतीय सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। इसके बावजूद 19 जून 2020 को प्रधानमंत्री मोदी ने चीन को क्लीन चिट दे दी थी। सीमा पर यथास्थिति बहाल करने में विफल रहने के बावजूद सरकार चीन के साथ सुलह की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिससे बीजिंग की आक्रामकता को अप्रत्यक्ष वैधता मिल रही है। जयराम रमेश ने इसी साल 4 जुलाई को उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह के बयान का भी हवाला दिया, जिसमें उन्होंने पाकिस्तान और चीन की जुगलबंदी पर चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा कि सरकार ने इस गंभीर चुनौती पर ठोस कदम उठाने के बजाय चुप्पी साध ली और अब चीन को राजकीय दौरों से पुरस्कृत कर रही है। उन्होंने कहा कि चीन द्वारा यारलुंग त्संगपो नदी पर विशाल जलविद्युत परियोजना की घोषणा भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के लिए गंभीर खतरा है लेकिन केंद्र सरकार ने इस मुद्दे पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। रमेश ने कहा कि चीन से आयात की अनियंत्रित डंपिंग से भारतीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। अन्य देशों की तरह सख्त प्रतिबंध लगाने के बजाय भारत ने चीनी आयात को खुली छूट दे रखी है।

राहुल का नाम लिए बिना रिजिजू बोले-वे चर्चा नहीं चाहते, ये सिर्फ पॉलिटिकल ड्रामा

इससे विपक्ष का नुकसान, हमारा बहुमत, हमें कोई समस्या नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि अगर किसी दल का नेता बहस या चर्चा में रुचि नहीं रखता और सिर्फ राजनीतिक ड्रामा करना चाहता है तो विपक्ष का नुकसान हो रहा है, सरकार का नहीं।

किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार बहुमत में है और चाहे तो विधेयक पास करवा लेगी, लेकिन इससे विपक्ष के सांसदों का ही नुकसान होगा।

रिजिजू बोले- सांसद जनता की आवाज उठाने आए हैं संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू शनिवार (30 अगस्त) को बेंगलुरु में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की संसदीय प्रणाली विषय पर वकीलों के संगठन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, मैं युवा सांसदों से कहता हूं कि जब आपका नेता आपको संसद में हंगामा करने के लिए कहे तो उसका विरोध करें। आप संसद में जनता की आवाज उठाने के लिए आए हैं, न कि केवल हंगामा करने के लिए।

विपक्षी सांसदों ने स्पीकर की चेयर की तरफ कागज फेंके थे संसद में 12 अगस्त को दोनों सदनों में बिहार SIR (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) पर चर्चा की मांग को लेकर विपक्ष ने हंगामा किया। इसके चलते लोकसभा और राज्यसभा स्थगित कर दी गई। शाम 4:30 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही हंगामा होने लगा।

विपक्षी सांसदों ने कागज फाड़कर स्पीकर की कुर्सी की ओर फेंके। इस दौरान भाजपा सांसद जगदंबिका पाल सदन की कार्यवाही चला रहे थे। उन्होंने कहा- उपनेता (विपक्ष) की ओर से इशारा किया गया। इसके बाद कागज फाड़कर चेयर की ओर फेंके गए।

इस पर संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- आपने सदन की गरिमा गिराई है। देश आपको माफ नहीं करेगा।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन बोला- महिला जजों की संख्या बेहद कम

● उत्तराखंड-त्रिपुरा समेत 4 हाईकोर्ट में एक भी नहीं; प्रस्ताव पारित कर इसे चिंताजनक बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (SCBA) ने शनिवार को एक प्रस्ताव पास कर देश की अदालतों में महिलाओं की बेहद कम मौजूदगी पर गंभीर चिंता जताई। एसोसिएशन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स में महिला जजों का प्रतिनिधित्व बेहद असमान और चिंताजनक है। बार एसोसिएशन के मुताबिक,

देशभर में हाईकोर्ट्स के करीब 1,100 स्वीकृत पद हैं, जिनमें से लगभग 670 पर पुरुष जज हैं, जबकि केवल 103 पदों पर ही महिलाएं हैं। उत्तराखंड, त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर हाईकोर्ट्स में तो एक भी महिला जज नहीं है। इसको लेकर एसोसिएशन ने अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह और सचिव प्रिया बघेल की अगुआई में प्रस्ताव भी पारित किया। यह कदम जस्टिस आलोक अराधे और विपुल एम पंचोली ने सुप्रीम कोर्ट जज के रूप में शपथ लेने के 1 दिन बाद आया है।इससे पहले 26 अगस्त को जस्टिस पंचोली की नियुक्ति पर सुप्रीम कोर्ट की इकलौती महिला जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने भी असहमति दर्ज की थी। वहीं, वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह समेत कई महिला वकीलों ने भी आपत्ति जताई है कि जस्टिस पंचोली को तीन वरिष्ठ महिला हाईकोर्ट जजों को पीछे छोड़कर नियुक्त किया गया।

एसोसिएशन बोला-SC में महिलाओं की आखिरी नियुक्ति 2021 में हुई : SCBA ने कॉलेजियम से अपील की है कि आगे सभी नियुक्तियों में महिला जजों को प्राथमिकता दी जाए। एसोसिएशन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में महिलाओं की आखिरी नियुक्ति 2021 में हुई थी हाल की नियुक्तियों में न तो बार और न ही बेंच से किसी महिला को जगह मिली। एसोसिएशन ने यह भी बताया कि अध्यक्ष विकास सिंह ने मई और जुलाई में तब के चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखकर महिला जजों का समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की मांग भी की थी।

कालकाजी मंदिर के सेवादार की हत्या, अब तक 5 आरोपी गिरफ्तार

● आप नेता आतिशी ने सीएम को लेटर लिखकर कहा-दिल्ली में कानून व्यवस्था ठप, इस्तीफा दें

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कालकाजी मंदिर में सेवादार योगेंद्र सिंह की हत्या मामले में अब तक 5 आरोपियों की गिरफ्तार हो गई है। पुलिस ने बताया कि शनिवार शाम को 4 आरोपियों गलकाबाद निवासी मोहन उर्फ भूरा (19) और कुलदीप बिधुरी (20) के साथ ही अनिल कुमार (55) और उसके बेटे नितिन पांडे (26) को गिरफ्तार किया गया है।

इससे पहले दक्षिणपुरी निवासी और मूल रूप से गोरखपुर (उत्तर प्रदेश) रहने वाले अतुल पांडे को गिरफ्तार किया गया था। वहीं, मामले को लेकर आम आदमी पार्टी ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से इस्तीफा मांगा है। आप की नेता व विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने शनिवार को मामले को लेकर दिल्ली सीएम को लेटर भी लिखकर इस्तीफा देने की मांग की है। वहीं, आतिशी ने सोशल मीडिया X पर लिखा, कालकाजी मंदिर में सेवादार की निर्मम हत्या से साफ है कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। अपराधियों को पुलिस का कोई डर नहीं है। बीजेपी की 4 इंजन वाली सरकार पूरी तरह फेल हो गई है। सीएम रेखा गुप्ता को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए।

गुरुग्राम में लॉरेंस गैंग के शॉर्प शूटर का एनकाउंटर, एसटीएफ पर फायरिंग की

जवाबी कार्रवाई में लगी गोली, 25 हजार का इनाम था

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम में स्पेशल टॉस्क फोर्स के साथ मुठभेड़ में शॉर्प शूटर इनामी बदमाश रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया है। उस पर हत्या का प्रयास, आर्म्स एक्ट समेत आधा दर्जन मामले विभिन्न थानों में दर्ज हैं। रोहित पर मूल रूप से महेंद्रगढ़ के गांव भड़फ का रहने वाला है और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम था। वह लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़ा है और लॉरेंस के खासमखास रोहित गोदारा के लिए काम करता है।

पुलिस के साथ हुए एनकाउंटर में गोली लगने से रोहित गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे रोहतक पीजीआई रेफर किया गया है। उसके पेर में गोली लगी है। एसआईटी गुरुग्राम के प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र चौहान ने बताया कि उन्हें इनपुट मिला था कि रोहित फरीदाबाद रोड के आसपास देखा गया है और वह किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। जिस पर गांव बलियावास के पास एक नाका लगाया।

बड़ा क्राइम करने की फिराक में था : संगठित आपराधिक गिरोह से जुड़े शूटर रोहित को यहां एक बड़े अपराध की योजना बनाते समय रोका गया। रोके जाने पर उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में तुरंत जवाबी कार्रवाई की।

डीडीए अपने खाली प्लॉटों को किराये पर देगा, शादी, कथा-पूजा जैसे कार्यक्रमों के लिए होंगे इस्तेमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। डीडीए दिल्लीभर में खाली पड़ी अपनी जगहें किराये पर उठाएगा। मौजूदा समय 119 प्लॉट शादियों, कथा, पूजा, दीवाली, दशहरा मेले जैसे कार्यक्रमों के लिए इस्तेमाल के लिए देने की तैयारी है। इसके खुले क्षेत्र के उपयोग के लिए डीडीए 10-12 महीने के लाइसेंस की नीलामी करने जा रहा है। बड़े बोलीदाताओं को लाइसेंस मिलेगा। इसमें करीब 5 हजार वर्गमीटर खुली जगह की हर महीने न्यूनतम 12,76,800 रुपये फीस देनी होगी। बोली के दौरान लाइसेंस फीस बढ़ भी सकती है।

दिल्ली में सालभर शादियों का सीजन होता है, अलग-अलग समाज के लोग शादियां करते हैं। अनगिनत मेले, प्रदर्शनियां लगती हैं। दशहरा, दुर्गापूजा और दीवाली के समय मेले, पंडाल की भरमार होती है और जगह कम पड़ जाती है। डीडीए ने अकेले द्वारका में ही करीब 40 प्लॉट किराए पर देने की तैयारी की है। इसी तरह से केशवपुरम, जनकपुरी, विकासपुरी, हरिनगर, माया एनक्लेव, पीतमपुरा, शास्त्री पार्क, अशोक विहार, रिंग रोड, लॉरेंस रोड, रोहिणी, शाहदरा, त्रिलोकपुरी, ताहिरपुर जैसे अलग-अलग इलाकों में खाली प्लाट किराये पर दिये जाएंगे। ये लाइसेंस 10-12 महीने का होगा।

प्रदूषण नियमों का सख्ती से पालन बोली लगाने वालों को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की गाइडलाइन का खास ध्यान रखना होगा। यदि कार्यक्रम स्थल पर खाना बनता है, या फिर अन्य गतिविधियां होती हैं तो कचरा और पानी से फैलने वाली गंदगी का सही से रखरखाव करना होगा। इसके लिए समुचित गाइडलाइन तय की गई है। डीडीए अधिकारियों का कहना है कि इससे त्योहारों के मौसम में लोगों को कार्यक्रम करने में आसानी होगी।

ऑनलाइन नीलामी ये नीलामी ऑनलाइन होगी। कोई भी व्यक्ति या एजेंसी बोली लगा सकता है, किसी भी साइट पर कितने भी प्लॉट के लाइसेंस लिये जा सकते हैं। बोली लगाने के लिए पहले रजिस्ट्रेशन करना होगा और ईएमडी (गारंटी राशि) ऑनलाइन जमा करनी होगी। रजिस्ट्रेशन 26 अगस्त से शुरू हो गया है। बोली का प्रस्ताव और ईएमडी जमा करने की आखिरी तारीख 25 सितंबर है। बोलीदार 30 सितंबर को नीलामी में हिस्सा लेंगे।

डीयू में खाली सीटों के लिए मॉप अप राउंड की तैयारी, छात्रों को जल्द मिलेगा आवेदन का मौका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय के कुछ कॉलेजों में स्नातक पाठ्यक्रमों की सीटें स्पॉट राउंड-1 के समाप्त होने के बाद भी खाली है। अब डीयू इन सीटों को भरने के लिए मॉप अप राउंड आयोजित करेगा। अगले सप्ताह मॉप अप राउंड के लिए आवेदन किया जा सकेगा। इससे पहले खाली सीटों की समीक्षा करके सीटों की जानकारी जारी की जाएगी।

मालूम हो कि खाली सीटों को भरने के लिए स्पॉट राउंड-1 की शुरूआत की गई थी। शनिवार को इस राउंड में आवंटित सीट के लिए फीस भरने प्रक्रिया समाप्त हो गई। डीयू में खाली सीटों के लिए मॉप अप राउंड अगले सप्ताह डीयू दाखिला डीन प्रो हनीत गांधी ने कहा, अभी कुछ सीटें खाली हैं, जिन्हें भरने के लिए अगले सप्ताह मॉप अप राउंड आयोजित करेंगे। मॉप अप राउंड के लिए शेड्यूल सोमवार या मंगलवार तक जारी कर दिया जाएगा। इसके साथ ही खाली सीटों की जानकारी जारी की जाएगी।

इसके लिए छात्रों को आवेदन करने का अवसर मिलेगा। मालूम हो कि बीते सप्ताह शुरू हुए स्पॉट राउंड में दाखिले के लिए 29,819 छात्रों ने आवेदन किया था। इस पर 7,908 सीटें छात्रों को आवंटित की गई थीं। कुछ कॉलेजों में सीटें अभी भी खाली प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को समाप्त हुए स्पॉट राउंड के बाद भी एक दर्जन से अधिक कॉलेजों में सीटें खाली हैं। इनमें भी सामान्य श्रेणी की कम, आरक्षित श्रेणी की सीटें ज्यादा खाली हैं।

खासकर पंजाबी, संस्कृत, कुछ साइंस पाठ्यक्रमों में कुछ-एक सीटें अब भी नहीं भर पाई हैं। जिन कॉलेजों में सीटें खाली हैं, उनमें अदिति, भगिनी निवेदिता, भारती, दयाल सिंह, इंस्टिट्यूट ऑफ होम इकोनॉमिकस, पीजीडीएवी सांध्य, लक्ष्मीबाई कॉलेज, स्वामी श्रद्धानंद, जाकिर हुसैन जैसे कॉलेज शामिल हैं। इसे लेकर विश्वविद्यालय ने तैयारी शुरू कर दी है। जल्द ही इसके लिए जानकारी जारी की जाएगी।

पुलिस ने नंदू गैंग के दो शार्पशूटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के जाफरपुर कलां इलाके में मुठभेड़ हुई है। जिसमें पुलिस ने कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। पुलिस को इन बदमाशों की काफी समय से तलाश थी। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मुठभेड़ के बाद कपिल सांगवान उर्फ नंदू गैंग के दो शार्पशूटरों को गिरफ्तार किया है। दोनों अपराधियों के पैर में चोट आई है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है । वे छावला इलाके में एक व्यापारी के घर पर रंगदारी के लिए गोलीबारी करने के मामले में वांछित थे।

वायु प्रदूषण की रोकथाम पर गाजियाबाद में कार्यशाला

नई दिल्ली, एजेंसी। वायु प्रदूषण कम करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को गाजियाबाद में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला और आईईसी गतिविधि का समापन किया। यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) और राहगिरी फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। यह एनसीआर के नौ शहरों–दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद, सोनीपत, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, भिवाड़ी और नीमराणा में होने वाली कार्यशालाओं की पहली कड़ी थी। हिंदी भवन में आयोजित इस कार्यशाला का लक्ष्य टिकाऊ सड़क डिजाइन और धूल नियंत्रण को बढ़ावा देना था। सीएक्यूएम के तकनीकी सदस्य डॉ. एसडी अत्री ने कहा, आयोजन इंजीनियरों को व्यावहारिक समाधान लागू करने के लिए सशक्त बनाएगा।

दिल्ली को बनाएंगे खेलों की राजधानी

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा- पदक लाने वाले खिलाड़ियों को देंगे नौकरी

दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को कहा कि वे दिल्ली को खेलों की भी राजधानी बनाना चाहती हैं। सीएम ने कहा कि प्रदेश सरकार ओलंपिक, एशियाई खेल, कॉमनवेल्थ और राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को करोड़ों रुपये की पुरस्कार राशि और सरकारी नौकरी देगी। आधुनिक स्टेडियम, उच्चस्तरीय प्रशिक्षण और पोषण के लिए विशेष व्यवस्था भी की गई है। त्यागराज स्टेडियम में खिलाड़ियों के साथ संवाद सत्र में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि उनका सपना है कि दिल्ली के खिलाड़ी ओलंपिक और अंतरराष्ट्रीय खेलों में मेडल जीतकर भारत का नाम रोशन करें। उन्होंने दिल्ली की खेल नीति को भी साझा किया। सीएम ने कहा कि पदक विजेताओं का दिल्ली सरकार पलकें बिछाकर सम्मान करेगी। उनकी सरकार ने पुरस्कार राशि बढ़ाने, विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, स्टेडियम और सुविधाएं देने की ठोस पहल शुरू की है।

यह बात खिलाड़ियों के समक्ष पूर्ववती सरकारों पर तंज कसा और कहा कि पहले खिलाड़ियों को नजरअंदाज किया जाता था, न पुरस्कार राशि बढ़ती थी, न सुविधाएं मिलती थीं। उनकी सरकार ने खिलाड़ियों के हित में बड़ा बदलाव किया है। मुख्यमंत्री ने रवि दहिया, शरद कुमार, तेजस्विन शंकर, नारायण ठाकुर, नरेंद्र ग्रेवाल और प्रीतम रानी जैसे चैंपियनों की तारीफ की, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीते हैं। उन्होंने कहा कि जब कोई खिलाड़ी मेडल जीतता है, तो वह पूरे 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान होता है।

सीएम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में खेलों को पहली बार सही सम्मान और नीतिगत समर्थन मिला है। हाल ही में लागू राष्ट्रीय खेल शासन कानून-2025 से खिलाड़ियों को बेहतर कोच, आहार और संसाधन मिलेंगे। कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री आशीष सूद भी मौजूद रहे।

विकास और सुशासन साथ लेकर चलेगी दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि उनकी सरकार विकास और सुशासन दोनों को साथ लेकर चलेगी। दिल्ली के सभी 11 राजस्व जिलों की सीमाएं नगर निगम (एमसीडी) के 12 जोन के हिसाब से व्यवस्थित की जाएंगी। इससे जिलों और निगम के बीच बेहतर तालमेल होगा, जिससे काम तेजी से और बिना किसी सीमा संबंधी जटिलता के होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि हर जिले में मिनी सचिवालय बनाने की तैयारी है, जहां लोगों की समस्याओं का तेजी से समाधान होगा। प्रत्येक जिले में डीडीसी चेयरमैन के दफ्तर में वहां की जनता रोजाना अपनी शिकायतें लेकर सीधा पहुंचेगी और वहीं उनका समाधान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शनिवार को अलीपुर में जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय में नए जिला विकास कार्यालय (डीडीसी) चेयरमैन ऑफिस के उद्घाटन के दौरान ये घोषणाएं कीं।

नए सिस्टम से काम तेज होगा मुख्यमंत्री ने कहा कि नए सिस्टम से सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर मिलेगा और काम में पारदर्शिता आएगी। अलीपुर में जनसुनवाई के दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं और दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान के तहत परिसर में सफाई भी की। इस मौके पर उनके साथ सांसद योगेंद्र चांदोलिया, समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह, विकास समिति के अध्यक्ष राजकुमार भाटिया और विधायक अशोक गोयल भी मौजूद रहे।

समस्याएं लेकर डीएम कार्यालय आएं मुख्यमंत्री ने बताया कि हर जिले में मिनी सचिवालय बनने से लोग आसानी से अपनी शिकायतें दर्ज करा सकेंगे। चेयरमैन और अधिकारी नियमित जनसुनवाई करेंगे, जिससे समस्याओं का तुरंत निपटारा होगा। रेखा गुप्ता ने भरोसा दिलाया है कि जो लोग बिना झिझक डीएम कार्यालय आएंगे, उनकी समस्याओं का समाधान तत्काल होगा। खिलाड़ियों की चिंता अब सरकार करेगी - सूद शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने भरोसा दिलाया कि खिलाड़ियों की हर समस्या का तुरंत समाधान होगा। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों का काम मेडल लाना है, सरकार का काम उनको हर सुविधा देना है।

पति-पत्नी के बीच वो अब छिप नहीं सकेगा, दिल्ली हाईकोर्ट ने बेवफाई मामलों में अदालतों को दी कॉल डिटेल निकलवाने की इजाजत

नई दिल्ली, एजेंसी। पति और पत्नी के बीच तीसरा यानी वो अब छिप नहीं सकेगा। दोनों में से किसी ने भी बेवफाई की तो डाटा फिल्टरेशन और कॉल डिटेल से सब पता चल जाएगा। हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने एक अहम फैसले में कहा है कि वैवाहिक विवादों के आरोपों की जांच के लिए अदालतें पति-पत्नी और कथित प्रेमी-प्रेमिका के मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और टावर लोकेशन डेटा मंगवा सकती हैं। हालांकि, गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए इसे सीलबंद लिफाफे में प्राप्त किया जाए।हाईकोर्ट ने कहा कि यह डेटा परिस्थितिजन्य साक्ष्य के रूप में महत्वपूर्ण हो सकता है, जो बेवफाई के आरोपों को साबित या खारिज करने में मदद करता है। हालांकि, निजता के मौलिक अधिकार को ध्यान में रखते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि डेटा एक निश्चित समय-सीमा तक सीमित होना चाहिए। कोर्ट का यह फैसला एक अपील पर आया है, जिसमें कथित प्रेमी-प्रेमिका ने पारिवारिक न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनके और पीड़ित पत्नी के पति के मोबाइल डेटा मंगवाने का निर्देश दिया गया था। अपीलकर्ता ने दलील दी कि यह आदेश निजता के अधिकार का उल्लंघन है। हालांकि, हाईकोर्ट ने इसे खारिज करते हुए कहा कि यह निर्देश जनवरी, 2020 से सीमित अवधि के लिए है और यह आरोपों से सीधे जुड़ा है। कोर्ट ने 2003 के शारदा बनाम धर्मपाल मामले का हवाला दिया, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि सत्य तक पहुंचने के लिए निजता में सीमित दखल जायज है।

टेलीकॉम ऑपरेटरों के रिकॉर्ड तटस्थ और व्यावसायिक होते हैं – अदालत कोर्ट ने यह भी रेखांकित किया कि सीपीसी की धारा 151 और पारिवारिक न्यायालय अधिनियम की धारा 14 अदालतों को सत्य का पता लगाने के लिए लचीली प्रक्रियाएं अपनाने की शक्ति देता है। साथ ही, भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 165 के तहत अदालतें प्रासंगिक तथ्यों के लिए कोई भी कदम उठा सकती हैं। अदालत ने कहा कि टेलीकॉम ऑपरेटरों के रिकॉर्ड तटस्थ और व्यावसायिक होते हैं, जो निजी संचार की सामग्री को उजागर किए बिना पुष्टिकारी साक्ष्य दे सकते हैं। फिर भी संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत निजता के अधिकार को ध्यान में रखते हुए, कोर्ट ने जोर दिया कि डेटा संग्रह आनुपातिक और वैध उद्देश्य के लिए होना चाहिए।

हाईकोर्ट ने की अहम टिप्पणी हाईकोर्ट ने कहा कि सीडीआर और टावर लोकेशन डेटा का संग्रह और प्रकटीकरण सूचनात्मक गोपनीयता को प्रभावित करता है, क्योंकि ऐसे रिकॉर्ड न केवल संचार पैटर्न, बल्कि शारीरिक गतिविधियों का भी खुलासा करते हैं। इसलिए, पारिवारिक न्यायालय को साक्ष्य तलब करने का अधिकार होने के बावजूद यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके निर्देश आनुपातिक हों और वैध उद्देश्य से उचित हों।

एअर इंडिया की इंदौर जाने वाली फ्लाइट दिल्ली लौटी

पायलट को विमान के इंजन में आग लगने का मिला था संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदौर जाने वाला एअर इंडिया का एक विमान रविवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दिल्ली लौट आया। बताया जा रहा है कि पायलट को विमान के दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला था। जिसके बाद विमान को दिल्ली लाने का फैसला लिया गया।

एअर इंडिया ने कहा कि विमान को निरीक्षण के लिए रोक दिया गया है और यात्रियों को एक वैकल्पिक विमान में भेजा जा रहा है। जो जल्द ही इंदौर के लिए उड़ान भरेगा। सूत्रों ने बताया कि विमान 30 मिनट से अधिक समय तक हवा में रहने के बाद आपात स्थिति में उतरा। विमान की सुबह करीब 6ः15 बजे आपातकालीन लैंडिंग हुई और विमान में 90 से अधिक लोग सवार थे।

एयरलाइन ने विस्तृत जानकारी दिए बिना कहा,31 अगस्त को दिल्ली से इंदौर के लिए उड़ान भरने वाली फ्लाइट एआई2913 उड़ान भरने के तुरंत बाद दिल्ली लौट आई, क्योंकि कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत मिला था।

उन्होंने कहा कि मानक प्रक्रिया का पालन करते हुए कॉकपिट क्रू ने इंजन बंद करने का निर्णय लिया और विमान को दिल्ली वापस लाया गया, जहां विमान सुरक्षित उतरा। एयरलाइन ने कहा कि हवाई सुरक्षा नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को घटना की सूचना दे दी गई है।

इस्राइल उत्तरी गाजा में मदद भेजना बंद कर सकता है... सैन्य आक्रमण बढ़ने के बीच इन विकल्पों पर मंथन

गाजा, एजेंसी। इस्राइल जल्द ही उत्तरी गाजा में मानवीय सहायता को रोक देगा या उसे धीमा कर देगा। एक अधिकारी ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि इस्राइल ऐसा इसलिए कर सकता है, क्योंकि वह हमास के खिलाफ अपने सैन्य अभियान का विस्तार कर रहा है। यह जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब एक दिन पहले ही गाजा सिटी को आधकारिक रूप से युद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया गया है। इस फैसले से इस्राइल सरकार की आलोचना और बढ़ने की संभावना है, क्योंकि लगभग 23 महीने से जारी युद्ध में गाजा के लोगों और वहां बचे इस्राइली बंधकों की स्थिति को लेकर देश-विदेश में नाराजगी तेज हो रही है।

आने वाले दिनों में सहायता ट्रकों की संख्या घटाएगा इस्राइल : एक इस्राइली अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बात की। उन्होंने बताया कि इस्राइल आने वाले दिनों में गाजा सिटी पर हवाई हमले बंद कर देगा और सहायता ट्रकों की संख्या घटा दी जाएगी। इसके साथ ही लाखों लोगों को दक्षिणी गाजा की ओर ले जाने की तैयारी हो रही है।

इस्राइल ने गाजा सिटी को बताया हमास का गढ़ : इस्राइल ने शुक्रवार (स्थानीय समयानुसार) को सहायता पहुंचाने के लिए दिन में लड़ाई रोक दी थी। इस्राइल ने गाजा सिटी को हमास का गढ़ बताते हुए दावा किया कि वहां अब भी भूमिगत सुरंगों का नेटवर्क सक्रिय है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगियों का कहना है कि इस्राइल की ये राहत व्यवस्था गाजा के लिए रोजाना जरूरी 600 ट्रकों की तुलना में बेहद कम है।

एक और बंधक के अवशेष मिले : प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बताया कि शुक्रवार को गाजा में एक और बंधक के अवशेष मिले हैं। यह अवशेष इदान शितवी के हैं। कार्यालय के अनुसार, सात अक्तूबर 2023 को हमास के हमले के बाद इदान का नोवा संगीत समारोह से अपहरण कर लिया गया था। 250 से ज्यादा बंधकों में से अब 48 ही गाजा में बचे हैं। इस्राइल का मानना है कि इनमें से 20 जिंदा हैं। बंधकों के परिजनों को डर है कि सैन्य कार्रवाई बढ़ने से उनकी जान और खतरे में पड़ सकती है।

यूक्रेनी सांसद एंड्री पारुबी की गोली मारकर हत्या, जेलेंस्की बोले- यह एक सोची-समझी साजिश

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के सांसद और संसद के पूर्व प्रमुख एंड्री पारुबी की ल्विव शहर में गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इसे सुनियोजित हमला बताया है। हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और फरार अपराधी की तलाश जारी है। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हत्या को भयावह अपराध बताया। इसके बाद शोक जताते हुए उन्होंने इसे पूर्व नियोजित हत्या बताया। जेलेंस्की ने कहा कि ये एक सोची समझी साजिश है। हत्याकांड की जांच कर दोषियों को सजा दिलाने के लिए सरकार सभी संसाधन झोंकेगी।

यूरोपीय संसद अध्यक्ष ने जताया दुख : वहीं पारुबी की हत्या के बाद यूरोपीय संसद अध्यक्ष रोबर्टा मेटसोला और पूर्व राष्ट्रपति पेट्रो पोरोशेंको ने भी गहरा दुख जताया। पोरोशेंको ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह सिर्फ किसी व्यक्ति पर नहीं, बल्कि सेना, भाषा और आस्था पर हमला है। एंड्री परुबी यूक्रेन के सच्चे सपूत थे। यह एक आतंकवादी हमला है और दोषियों को सज़ा मिलनी ही चाहिए। फिलहाल हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है और पुलिस उसकी तलाश में लगी हुई है।

पारुबी ने घटनास्थल पर ही तोड़ा दम : मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पारुबी को कई बार गोली मारी गई। इससे पहले कोई मदद या फिर आपातकालीन सेवाएं पहुंच पातीं, उनकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हमलावर शॉर्ट बैरल वाले हथियार से लैस था और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। पुलिस का कहना है कि आरोपी पूरी तरह से तैयार होकर हत्या के इरादे से आया था।

पारुबी के बारे में जानिए: 54 साल के पारुबी यूक्रेनी संसद के एक सक्रिय सदस्य थे और 2016 से 2019 तक संसद अध्यक्ष भी रहे। वे 2004 की ऑरेंज क्रांति और 2013-14 के माइडान आंदोलन में अहम भूमिका निभा चुके थे। खासकर माइडान आंदोलन में वे कीव के इंडिपेंडेंस स्क्वायर में विरोध प्रदर्शनों की अगुवाई करते दिखे थे, जिसके बाद तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को सत्ता छोड़नी पड़ी थी। उन्होंने 2014 में यूक्रेन की के रूप में भी कार्य किया

संघीय अदालत के फैसले के बाद, अब ट्रंप के टैरिफ का क्या होगा भारत को मिल सकता है बड़ा फायदा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मनमाने तरीके से दुनिया के विभिन्न देशों पर भारी-भरकम टैरिफ थोप दिया है, जिनमें भारत भी शामिल है। अब अमेरिका की एक संघीय अदालत ने ट्रंप की राह में रोड़े अटका दिए हैं। यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स ने शुक्रवार को अपने फैसले में कहा कि ट्रंप ने देशों पर टैरिफ लगाने के लिए अपनी शक्तियों का सीमा से आगे बढ़कर इस्तेमाल किया। संघीय अदालत ने 7-4 के फैसले से ट्रंप के टैरिफ को गलत बताया और उस पर रोक लगाने का आदेश दिया। हालांकि ये आदेश तुरंत लागू नहीं होगा और अदालत ने ट्रंप प्रशासन को अक्तूबर तक सुप्रीम कोर्ट में अपील का समय दिया है, तब तक टैरिफ लागू रहेगा।

टैरिफ पर रोक लगी तो अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये से हाथ धोना पड़ेगा: संघीय अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति ट्रंप के लिए बड़ा झटका है क्योंकि उनकी व्यापार नीतियों ने वित्तीय बाजार में भारी उथल-पुथल मचा रखी है। वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता का समय है, बढ़ती महंगाई और धीमी आर्थिक वृद्धि ने दुनिया को मंदी की तरफ धकेल दिया है। अब अगर टैरिफ पर भी रोक लग जाती है तो इससे अमेरिका को मिलने वाले लाखों करोड़ रुपये भी अटक जाएंगे। हालांकि विदेशी स्टील, एल्युमीनियम और ऑटोमोबाइल पर लगाए गए टैरिफ पर अदालत ने रोक नहीं लगाई है क्योंकि ये आयात अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हैं।

जिस कानून के तहत ट्रंप ने टैरिफ लगाया, अदालत ने उस पर उठाए सवाल : संघीय अदालत ने अपने फैसले में कहा कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने का फैसला लिया, लेकिन इस कानून में टैरिफ शब्द का उल्लेख ही नहीं है। अदालत ने कहा कि टैरिफ लगाने की मूल शक्ति अभी भी अमेरिकी संसद के पास है। अब अदालत के फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन के पास दो ही रास्ते बचे हैं कि या तो वे सुप्रीम कोर्ट जाएं और या फिर वे संसद से टैरिफ को पारित कराएं। हालांकि दोनों ही जगह ट्रंप प्रशासन को खासी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अमेरिका अदालत ट्रेडर्स और संगठनों ने ट्रंप प्रशासन के फैसले लगाए गए ।

रेलवे फाटक पर पैदल मार्ग बंद कर लगाया बैरिकेड

अंडरपास की दूरी से विवाद,पार्षद बोले-हमारे घर सामने हैं, लेकिन अब जाने का रास्ता नहीं

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। रेलवे फाटक पर रेलवे अधिकारी और लोगों के बीच रविवार सुबह विवाद हो गया। दरअसल, रेलवे अधिकारी और पुलिस वाले वहां बैरिकेड्स लगाने पहुंचे। ये बैरिकेड्स पैदल चलने वालों के लिए बची आखिरी जगह को भी बंद करने के लिए लगाए जा रहे थे।

नागरिक बोले-अंडरपास घर से काफी दूरी पर: लोगों का कहना है कि रेलवे ने पहले ही इस फाटक को बंद कर दिया था और दूर एक अंडरपास बना दिया है। लेकिन वो अंडरपास लोगों के लिए बहुत दूर पड़ता है। जिन लोगों के घर फाटक के उस पार हैं, उन्हें रोजमर्रा की आवाजाही में काफी दिक्कत हो रही है।

पार्षद बोले- हमारे घर सामने हैं, लेकिन अब जाने का रास्ता नहीं: स्थानीय पार्षद करुणेंद्र मिश्रा ने कहा, हमारे घर इस फाटक के पास हैं। अब अगर ये रास्ता पूरी तरह बंद हो जाएगा तो हम लोग अपने ही घर सुरक्षित तरीके से नहीं पहुंच पाएंगे।

रेलवे के अफसरों का कहना है कि यह सब सुरक्षा कारणों की वजह से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि फाटक पर एक फीट की जगह इमरजेंसी के लिए छोड़ी गई है, लेकिन आम आवाजाही की इजाजत नहीं होगी।

विवाद के बाद पुलिस और जीआरपी टीम मौके पर तैनात: स्थानीय निवासी राधिका यादव ने कहा, हम रोज इसी रास्ते से दफ्तर जाते हैं, अब अंडरपास से जाना पड़ेगा जो बहुत लंबा रास्ता है। विवाद बढ़ता देख पुलिस और जीआरपी की टीम मौके पर तैनात कर दी गई। लोगों की मांग है कि कम से कम पैदल चलने वालों के लिए रास्ता खुला रखा जाए।

बाणसागर नहर बहा युवक, रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू; तलाश में लगी एसडीआरएफ की टीम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में कमर्जी थाना क्षेत्र के ग्राम पितरिहा में बाणसागर नहर में 30 वर्षीय रामसखा कोल बह गया। घटना सुबह करीब 9 बजे की है। रामसखा कोल पिता समयलाल कोल शौच के लिए नहर किनारे गया था। इस दौरान उसका संतुलन बिगड़ गया और वे नहर में गिर गया। ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने तत्काल रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। नहर में पानी का तेज बहाव होने से सर्च ऑपरेशन में कठिनाई आ रही है। फिर भी स्ष्ठक्रस्न की टीम लगातार प्रयासरत है।

कमर्जी थाना प्रभारी विवेक द्विवेदी के अनुसार, मृतक के नहर में गिरने की परिस्थितियां अभी स्पष्ट नहीं हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा। पुलिस का कहना है कि जल्द ही शव को ढूंढ लिया जाएगा।

कोयले से भरा ट्रेलर पलटा, ब्रेक फेल होने से हादसा; ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले के माडा थाना क्षेत्र के बंधौरा में रविवार दोपहर 2 बजे एक कोयले से भरा ट्रिप ट्रेलर पलट गया। चालक के सूझबूझ से बड़ा हादसा टल गया। ट्रक चालक सुनील कुमार एनसीएल कोयला खदान से एक निजी पावर प्लांट की ओर जा रहा था। बंधौरा चौकी के पास नाले में ट्रेलर का ब्रेक फेल हो गया। चालक ने ट्रेलर को किनारे करने का प्रयास किया। जब वाहन नियंत्रण से बाहर हो गया, तो उसने कूदकर अपनी जान बचाई।

हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई: बंधौरा चौकी प्रभारी बीएल बंसल ने बताया कि हादसे में किसी को गंभीर चोट नहीं आई। चालक को चलते ट्रक से कूदने के कारण मामूली खरोंच आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के अन्य कारणों की जांच कर रही है। यह मार्ग अत्यधिक व्यस्त है, जहां 40 टन कोयला लेकर ट्रेलर नियमित रूप से चलते हैं। इस सड़क पर सार्वजनिक परिवहन भी होता है और अक्सर हादसे होते रहते हैं।

फास्टैग रिचार्ज टोल क्रॉस करने से 1 घंटे पहले जरूरी, टोल प्लाजा के नए नियम; तत्काल रिचार्ज करने पर नहीं होगा एक्टिव

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ट्रैफिक प्रधान आरक्षक विवेकानंद तिवारी ने टोल प्लाजा के नए फास्टैग नियम को लेकर वीडियो जारी किया है। इस वीडियो को सोशल मीडिया पर दो करोड़ से अधिक लोग देख चुके हैं।

नए नियम में तत्काल रिचार्ज पर फास्टैग नहीं होगा एक्टिव: नए नियम के अनुसार वाहन चालकों को टोल क्रॉस करने से कम से कम एक घंटा पहले फास्टैग रिचार्ज कराना होगा। पहले लोग टोल गेट के कुछ मिनट पहले ही रिचार्ज करके क्रॉस कर जाते थे। लेकिन अब ऐसा करने पर फास्टैग तुरंत एक्टिवेट नहीं होगा। धुरवार टोल प्लाजा के मैनेजर राहुल शर्मा ने इस नियम की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि तत्काल रिचार्ज करने पर फास्टैग एक्टिवेट नहीं होता है, जिससे टोल प्लाजा पर विवाद की स्थिति बनती है। विवेकानंद तिवारी ने अपने वीडियो के माध्यम से लोगों को इस नए नियम के बारे में जागरूक किया है। उन्होंने बताया कि कई वाहन चालकों को इस बदलाव की जानकारी नहीं है, जिससे टोल प्लाजा पर समस्याएं आ रही हैं। इसलिए सभी वाहन चालकों को सलाह दी गई है कि वे टोल प्लाजा पहुंचने से एक घंटा पहले ही फास्टैग रिचार्ज करा लें।

वाहन चालकों को 1 घंटे पहले फास्टैग रिचार्ज करना अनिवार्य: वहीं एक स्थानीय वाहन मालिक अनूप कुमार पांडे से जब इस संबंध में बात की गई तो उन्होंने कहा कि पहले वह अपने फास्टैग को टोल गेट के पहले ही रिचार्ज कर निकल जाते थे, लेकिन अब नए नियम के तहत 1 घंटे पहले फास्टैग को रिचार्ज करना पड़ रहा है।

प्रधान आरक्षक ने वीडियो जारी कर नए नियम बताए: शहडोल ट्रैफिक थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक विवेकानंद तिवारी आए दिन यातायात को लेकर जागरूकता वीडियो बनाते हैं। सोशल मीडिया में उन्हें लोग खुब पसंद करते हैं। उनके वीडियो को कई करोड़ों लोग देखते है।

यूट्यूब में विवेकानंद के 83 लाख से अधिक सब्सक्राइबर हैं, फेसबुक में 51 लाख से अधिक, इंस्टाग्राम में 20 लाख से अधिक फॉलोअर्स है। फास्टैग रिचार्ज 1 घंटे पहले करना होगा, इस वीडियो को दो करोड़ से अधिक लोगों ने विवेकानंद के सोशल साइड में देखा है। उन्हों ने कहा कि 15 अगस्त से यह नया नियम लागू हुआ है, जिसको लेकर उन्हें ने लोगों को जागरूक करने वीडियो बनाया था।

मानसिक रूप से बीमार महिला की मौत, रेलवे ट्रैक पर मिला दो टुकड़ों में कटा शव, 2 दिन से थी लापता

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। ब्यौहारी थाना क्षेत्र में एक महिला का शव रेलवे ट्रैक पर दो हिस्सों में मिला है। मृतका की पहचान मऊ गांव की 25 वर्षीय जानकी राठौर के रूप में हुई है। वह पिछले दो दिनों से घर से लापता थी। जानकी के पति संपत राठौर ने बताया कि उनकी पत्नी मानसिक रूप से बीमार थी और इलाज चल रहा था। दो दिन पहले वह अचानक घर से चली गई थी। इसके बाद उन्होंने पुलिस में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पर शव देखा और पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी अरुण पांडे के अनुसार, महिला की मानसिक स्थिति को देखते हुए आत्महत्या की आशंका है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवाया है। मृत्यु के सटीक कारण का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

समग्र शिक्षा अभियान अंतर्गत शिक्षको का एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित हुआ

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। समग्र शिक्षा अभियान के तहत जिले के सभी 210 शासकीय हाई स्कूल व हायर सेकेंडरी स्कूलों के विषय शिक्षको एक दिवसीय प्रशिक्षण जिला उत्कृष्ट विद्यालय सीधी एवं शासकीय उमावि क्रमांक 2 सीधी में जिला शिक्षा अधिकारी श्री पवन कुमार सिंह के निर्देशन और सहायक संचालक श्री ओशो उत्सव, श्री शम्भू नाथ त्रिपाठी, श्री रामाधार पाण्डेवा, एडीपीसी प्रवीण शुक्ल के मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में सभी 6 विषय के मास्टर ट्रेनरों द्वारा 10 वीं में पढ़ाने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं को विषय पढ़ाने के नए तरीकों व नवीन तकनीक की जानकारी दी गई।

882 शिक्षकों को सिखाया जटिल विषय वस्तु को सरल बनाने का तरीका: एपीसी रमसा डॉ सुजीत कुमार मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि अकादमिक गुणवत्ता में वृद्धि एवं बोर्ड परीक्षा का रिजल्ट सुधारने के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल के निर्देश पर हाई स्कूल के सभी 6 विषयों का एक दिवसीय प्रशिक्षण में हिंदी विषय मे 143, अंग्रेजी में 143, संस्कृत में 142, गणित में 152, सामाजिक विज्ञान में 157 और विज्ञान में 145 कुल 882 शिक्षको को 28 अगस्त से 30 अगस्त के मध्य राज्य स्तर से प्रशिक्षित सभी विषय के चार - चार मास्टर ट्रेनर्स ने प्रशिक्षण दिया।

पुलिस की मौजूदगी में बंटी खाद, 300 बोरी के लिए 1500 किसान पहुंचे, भगदड़ की स्थिति बनी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में खाद का संकट बढ़ता जा रहा है। रविवार को मड़वास थाना क्षेत्र के भदौरा गांव में खाद वितरण के दौरान अफरा-तफरी मच गई, जब मात्र 300 बोरी खाद लेने के लिए करीब 1500 किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। हालात इतने बिगड़ गए कि लोग एक-दूसरे पर गिरते-पड़ते नजर आए और भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

भीड़ बेकाबू होते देख दुकान मालिक ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मड़वास थाने से एएसआई नारायण सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और किसानों को समझा-बुझाकर शांत किया। पुलिस की मौजूदगी में आखिरकार खाद का वितरण व्यवस्थित तरीके से शुरू हो सका। एएसआई नारायण सिंह ने बताया कि समिति के दुकानदार ने हंगामे की जानकारी दी थी, जिसके बाद पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

महीनों से परेशान हैं किसान: सीधी जिले में पिछले काफी समय से खाद की कमी बनी हुई है। मांग की तुलना में आपूर्ति बहुत कम होने के कारण किसान महीनों से परेशान हैं। इसी वजह से भदौरा गांव में शुक्रवार देर रात से ही किसान खाद लेने के लिए लाइन में लग गए थे। सुबह जैसे ही दुकान खुली, सैकड़ों किसान एक साथ खाद लेने के लिए टूट पड़े, जिससे भीड़ अनियंत्रित हो गई।

इस दौरान एक किसान रामभद्र कुशवाहा ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा, मैं तीन महीने से खाद के लिए भटक रहा हूं। 20-25 बार लाइन में खड़ा हुआ, लेकिन सिर्फ तीन बोरी ही मिल पाई, जबकि मुझे नौ बोरी की जरूरत है। खाद न मिलने से मेरी फसल बर्बाद हो रही है और प्रशासन हमारी कोई मदद नहीं कर रहा।

बिजली कनेक्शन काटने की धमकी देकर ठगी, केंद्रीय विद्यालय शिक्षक से 4.10 लाख की धोखाधड़ी; आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। एक साइबर ठगी का मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ से अमलाई पुलिस ने आरोपी दया साहू को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने केंद्रीय विद्यालय के शिक्षक प्रमोद पांडेय से 4.10 लाख रुपए की धोखाधड़ी की थी।

घटना 16 मार्च 2024 को हुई। आरोपी ने खुद को विद्युत विभाग का एसडीओ बताकर शिक्षक को फोन किया। उसने बिजली बिल जमा न होने की बात कहते हुए कनेक्शन काटने की धमकी दी। आरोपी ने शिक्षक को मात्र 19 रुपए का रिचार्ज करने के लिए एनीडेस्क का लिंक भेजा। शिक्षक ने धोखे में आकर ओटीपी बता दिया। इसके बाद उनके खाते से 4.10 लाख रुपए निकाल लिए गए।

शिक्षक ने तुरंत अमलाई थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने साइबर सेल की मदद से आरोपी का पता लगाया। आरोपी के पास से 50 हजार रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, दया साहू ने ठगी के पैसे अपने साथियों के खातों में ट्रांसफर कर दिए थे।

इस मामले में एक अन्य आरोपी लखन सुनसान के खिलाफ भी केस दर्ज किया गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। पीड़ित शिक्षक प्रमोद पांडेय ने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे इस तरह के धोखे का शिकार बनेंगे।

व्हाइट टाइगर सफारी को लेकर रीवा-मैहर आमने-सामने, मुकुंदपुर के ग्रामीण रीवा से जुड़ने तैयार; सतना सांसद और विधायक बोले- ऐसा होने नहीं देंग

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। विंध्य क्षेत्र का गौरव, प्रदेश का इकलौता व्हाइट टाइगर सफारी, मुकुंदपुर, इन दिनों सियासी अखाड़े में फंसा हुआ है। एक तरफ राजनीतिक दल अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र में बनाए रखने के लिए जोर आजमाइश कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ स्थानीय लोग विकास की आस में पाला बदलने को आतुर हैं। मुकुंदपुर और इसके आसपास के छह गांवों को लेकर रीवा और मैहर के बीच छिड़ी इस खींचतान ने क्षेत्र की जनता को असमंजस में डाल दिया है। यह विवाद मैहर के अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा अमरपाटन के राजस्व अधिकारी को भेजे गए एक पत्र के सामने आने के बाद शुरू हुआ। इसमें मुकुंदपुर सहित धौबाहट, अमीन, परसिया, आनंदगढ़ और पापरा गांवों को रीवा जिले में शामिल करने को लेकर राय मांगने के बारे में लिखा गया।

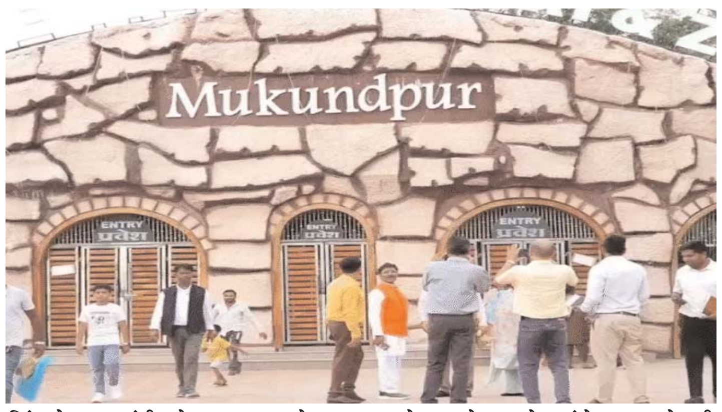

इस पत्र के बाद सतना सांसद गणेश सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर गांवों को रीवा में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध किया। वहीं, मैहर से पूर्व विधायक और विंध्य जनता पार्टी के संस्थापक नारायण त्रिपाठी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला पर मुकुंदपुर को हथियाने का आरोप लगाया। वहीं मैहर विधायक ने मुकुंदपुर को मैहर से हटाने पर जेल भरो आंदोलन करने की बात कही है।

मुकुंदपुर को व्हाइट टाइगर सफारी ने दिलाई पहचान: मैहर जिले का एक छोटा सा गांव मुकुंदपुर अपनी पहचान व्हाइट टाइगर सफारी के कारण पूरे प्रदेश में रखता है। 2016 में स्थापित महाराजा मार्तंड सिंह जूदेव सफेद बाघ सफारी और चिड़ियाघर यहां का मुख्य आकर्षण है। यह सफारी 1951 में रीवा में पकड़े गए सफेद बाघ की याद में बनाया गया है, जिसे सफेद बाघों की वंश परंपरा की शुरुआत माना जाता है। सफारी में सफेद बाघों के अलावा अन्य वन्यजीव भी हैं, जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

विवाद की जड़- परिसीमन का प्रस्ताव: विवाद की शुरुआत तब हुई जब मैहर के अतिरिक्त कलेक्टर द्वारा अमरपाटन के राजस्व अधिकारी को भेजा गया एक पत्र वायरल हो गया। इस पत्र में मुकुंदपुर सहित धौबाहट, अमीन, परसिया, आनंदगढ़ और पापरा गांवों को रीवा जिले में शामिल करने को लेकर हितधारकों से राय मांगी गई थी। परिसीमन की प्रक्रिया शुरू होते ही राजनीतिक दलों में खलबली मच गई।

सियासी घमासान- आरोप-प्रत्यारोप का दौर: मुकुंदपुर को अपने क्षेत्र में बनाए रखने के लिए राजनीतिक दलों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। सतना से पांच बार के सांसद रहे भाजपा के गणेश सिंह ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर गांवों को रीवा में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध किया। उन्होंने इसे रीवा को फायदा पहुंचाने की %साजिश% बताया। वहीं, मैहर से पूर्व विधायक और विंध्य जनता पार्टी के संस्थापक नारायण त्रिपाठी ने उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ला पर मुकुंदपुर को हथियाने का आरोप लगाते हुए गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस भी इस मामले में पीछे नहीं है। कांग्रेस विधायक और पूर्व डिप्टी स्पीकर राजेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि इस कदम का उद्देश्य सफारी के क्षेत्र का नियंत्रण पाना है। उन्होंने ऐलान किया कि वे गांधीवादी तरीके से आंदोलन करेंगे और मैहर जेल भरो अभियान के तहत 1000 सत्याग्रहियों के साथ जेल जाएंगे।

सांसद खेल महोत्सव : फिट युवा, विकसित भारत के संकल्प के तहत संडे आन साईकिल रैली का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सांसद खेल महोत्सव के तृतीय दिवस सांसद डॉ राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में फिट युवा, विकसित भारत के संकल्प के तहत संडे आन साईकिल रैली का आयोजन अंबेडकर चौराहे पर अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रारंभ हुआ। साइकिल रैली अस्पताल चौराहा, गांधी चौराहा में गांधी प्रतिमा माल्यार्पण करते हुए अंबेडकर चौराहा में समाप्त किया गया।

मुख्य अतिथि सांसद डॉ राजेश मिश्रा ने कहा कि युवा ही विकसित भारत की नींव हैं। नि:संदेह, ऐसे आयोजन स्वास्थ्य, अनुशासन एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देते हैं। सीधी जिले की जनता और युवाओं के उत्साह ने इस आयोजन को और भी विशेष बना दिया। सांसद ने कहा कि युवाओं को खेल के क्षेत्र में अवसर उपलब्ध कराने तथा उनकी प्रतिभा को पहचान कर उन्हें राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान इस महोत्सव का लक्ष्य है। सांसद ने कहा कि इस महोत्सव का पहला फेस तीन दिवस का आज से समाप्त हो जाएगा। यह भारत सरकार और मध्य प्रदेश सरकार के तत्वाधान में आयोजित किया गया है। खिलाड़ी अपनी प्रतिभाओं को निखारने के लिए अपना रजिस्ट्रेशन क्यूआर कोड के माध्यम से अधिक से अधिक करें और आगे बढ़कर इसका लाभ ले।

ये ललित मोदी भी

संपादकीय

बीते इतिहास और गड़े मुर्दे को उखाड़ कर मोदी ने एक नई चर्चा को तूल दे दिया है। मीडिया भी तपाक से ऐसी बातों को लपक लेता है, जिससे होना-जाना कुछ नहीं है पर एक चर्चा जरूर चल जाती है। पूर्व आईपीएल कमिश्नर ललित मोदी ने माइकल क्लार्क के बियॉन्ड23 पॉडकास्ट पर वर्ष 2008 का वह वीडियो प्रसारित किया है, जिसमें आईपीएल मैच के दौरान हरभजन सिंह ने श्रीसंत को उल्टे हाथ से थप्पड़ जमा दिया था। हरभजन सिंह का श्रीसंत को थप्पड़ मारने का कांड तब बड़ी चर्चा में आया था। उस समय आईपीएल टूर्नामेंट भी नया-नया शुरू हुआ था इसलिए उस दृश्य को लाइव प्रसारण से तुरंत हटा दिया गया था और विज्ञापन चालू कर दिया गया था। हालांकि, बाद में श्रीसंत को आंसू बहाते हुए देखा गया था। वर्ष 2008 में की गई उस गलती के लिए हरभजन सिंह को सजा मिल चुकी है, लेकिन ललित मोदी द्वारा उस कांड का वीडियो सार्वजनिक करने के बाद अब वह इंटरनेट पर वायरल हो रहा है। हालांकि, उस वीडियो में दोनों खिलाड़ी एक-दूसरे पर बहुत क्रोधित दिखाई दे रहे हैं। दोनों एक-दूसरे पर गुस्से में उबलते नजर आ रहे हैं। हालांकि, अब दोनों ही खिलाड़ी अच्छे दोस्त हैं। लोग उस कांड को याद भी नहीं करते हैं, लेकिन ललित मोदी ने उस पुरानी घटना को वायरल कराकर पुरानी यादों को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है और लोग इसमें बहुत ही दिलचस्पी भी ले रहे हैं। खुद ललित मोदी भी इस बात से चर्चा में आ गए हैं।

दरअसल, भारत में पेशेवर क्रिकेट और निजी टीमों के बीच व्यावसायिक किस्म के टूर्नामेंट कराने की संकल्पना को साकार रूप देनेवाले पहले व्यक्ति हैं। वे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के संस्थापक, पहले अध्यक्ष और लीग कमिश्नर थे। उन्होंने 2010 तक तीन साल तक टूर्नामेंट चलाया। उन्होंने 2008 से 2010 तक चैंपियंस लीग के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया और 2005 से 2010 तक बीसीसीआई के उपाध्यक्ष रहे। ललित मोदी पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष रहते हुए हेराफेरी, मनी लॉन्ड्रिंग और विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 (फेमा) का उल्लंघन करने के आरोप हैं। अनधिकृत फंड ट्रांसफर सहित वित्तीय कदाचार के लिए जांच के दौरान उन्होंने 2010 में भारत छोड़ दिया था। पिछले 15 वर्षों से वे लंदन में ही रहते हैं। विदेश में रहते हुए भी वे अकसर ही चर्चा में रहते हैं। जुलाई, 2022 में ललित मोदी ने सुष्मिता सेन के साथ अंतरंग तस्वीरें साझा करके सभी को चौंका दिया था। तब सुष्मिता सेन ने ललित मोदी के साथ अपने संबंधों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने पुष्टि की थी कि वह उन्हें डेट कर रहे हैं और शादी की योजना बना रहे हैं। हालांकि, बाद में उनका ब्रेकअप हो गया।

रग्बी का बदतमीज खिलाड़ी

अमिताभ श्रीवास्तव

कहने को वो एक फ्रांससीसी रग्बी दिग्गज है, मगर हरकतें बदतमीजी वाली हैं। हाल ही में उसने एक ऐसा कांड किया जिससे उसके चाहने वाले भी थू-थू कर रहे हैं। दरअसल उसने एक डांसर की स्कर्ट उठाकर अपनी घिनौनी मानसिकता का परिचय दिया है। 23 वर्षीय चार्लीन प्रादेउ दक्षिण-पश्चिम फ्रांस के एक बार में डांसर के रूप में काम करती है। वो डांस कर रही थी। तभी पूर्व रग्बी खिलाड़ी और टीवी एंकर रिचर्ड डोरथे ने उसकी स्कर्ट के नीचे से झांककर देखा। यह घटना डेक्स शहर के वार्षिक उत्सव फेरिया डी डेक्स में घटी, जिसका वीडियो दस लाख से अधिक बार देखा जा चुका है। 23 वर्षीया चार्लीन इस हरकत से घबरा गई। हालांकि उसने तुरंत फटकार लगाई मगर तब तक यह सबकुछ रिकार्ड हो गया था। वायरल हो चुके वीडियो को साझा करने के बाद डांसर ने खुलासा किया कि वह अपने साथ हुए 'दुर्व्यवहार' से भावनात्मक रूप से जूझ रही है। यह वीडियो प्रैडो नामक व्यक्ति ने शेयर किया था। उसने बताया कि वीडियो साझा करने के बाद से उन्हें भी विरोध का सामना करना पड़ रहा है, जिसके कारण उन्हें 'सामाजिक चिंता' हो रही है। उन्होंने कहा, 'दुर्भाग्यवश मुझे इस विषय पर आखिरी बार बोलने के लिए बाध्य होना पड़ रहा है। उत्पीड़न, धमकियां, लिंचिंग, अपमान बंद होना चाहिए।' अब कानूनी रूप पुलिस शिकायत हुई है। बदतमीज रग्बी खिलाड़ी से पूछताछ जारी है।

जेलेना की नस्लीय जलन

आमतौर पर टेनिस में यह देखने को ज्यादा नहीं मिलता मगर यहां भी नस्लभेदी जलन कम नहीं है। अमेरिकन ओपन में पिछले दिनों ऐसा ही एक मामला देखने में आया जिसमें एक मैच के दौरान एक अश्वेत अमेरिकी खिलाड़ी को ऐसे ही विवाद का सामना करना पड़ा। इस मामले में दिग्गज खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने भी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। टेलर टाउनसेंड और जेलेना के बीच मैच चल रहा था इसी दौरान जेलेना ने टेलर के खिलाफ अपशब्द कहे। नाओमी ने टेलर पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के बाद जेलेना ओस्टापेंको को 'भयानक' करार देते हुए कहा- आपको संयुक्त राज्य अमेरिका में ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। हालांकि जेलेना ओस्टापेंको ने इस बात से इनकार किया। दरअसल बीच मैच में भी और मैच समाप्त होने पर लाटवियाई खिलाड़ी जेलेना ने टेलर पर उंगली उठानी शुरू कर दी, क्योंकि वह टेलर टाउनसेंड के वार्म-अप रूटीन से नाखुश थीं। उसका कहना है कि मैंने कोई शारीरिक हमला नहीं किया था, मगर हां यह निश्चित रूप से उनके तीसरे पेशेवर मुकाबले के बाद यह एक गर्म टकराव था। टेलर ने जेलेना पर अगली बार अमेरिका के बाहर मिलने पर प्रतिशोध की धमकी देने का आरोप लगाया। मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रसेंस में एक रिपोर्टर ने टाउनसेंड को बताया कि उनकी टिप्पणियों में नस्लवादी भावना हो सकती है। टेलर ने कहा कि उसका यह कहना कि मेरे पास कोई शिक्षा नहीं है और कोई वर्ग नहीं है, मैं वास्तव में इसे व्यक्तिगत रूप से नहीं लेती , क्योंकि मुझे पता है कि यह सच्चाई से बहुत दूर है। उसने कहा, मैं बहुत मजबूत हूं। एक अश्वेत महिला होने के नाते मुझे बहुत गर्व है कि मैं यहां खुद का, हमारा और हमारी संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर रही हूं।

कोई माने या ना माने, कांग्रेस का दिल तो मुसलमानों के लिए धड़कता है !

> अरशद मदनी ने यह बयान किसी सामान्य मौके पर नहीं, बल्कि एक सभा में दिया। उनका यह दावा केवल अतीत का किस्सा नहीं बल्कि वर्तमान की राजनीति पर भी तीखा प्रहार है। भाजपा ने इसे हाथोंहाथ लिया और कांग्रेस पर एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस बयान का जवाब उसी तेवर में दिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही उन्हें धमकी दे चुके थे और अब मदनी ने चेतावनी दी है। जितनी ज्यादा धमकी दोगे, उतना ही ज्यादा असम के लोग उठ खड़े होंगे और मुकाबला करेंगे। सरमा ने साफ कहा कि वे अवैध रूप से बसे लोगों को बेदखल करना जारी रखेंगे और मूल निवासियों के भूमि अधिकार सुरक्षित करेंगे।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

असम की राजनीति में अचानक एक 'लेटर बम' फूटा है। जमीयत-उलेमा-ए-हिंद (ए) के प्रमुख अरशद मदनी ने दावा किया कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को एक चिट्ठी लिखी थी। उस चिट्ठी में उन्होंने साफ आग्रह किया था कि हिमंता बिस्वा सरमा को कांग्रेस से टिकट न दिया जाए, क्योंकि वे आरएसएस मानसिकता वाले हैं और असम में आग लगाने का काम कर सकते हैं। वस्तुत- अब इस बयान को सुनते ही राजनीति गरमा उठी है। दरअसल, मदनी के इस कथन ने सीधे-सीधे कांग्रेस की टिकट वितरण प्रक्रिया पर सवाल खड़ा कर दिया। क्या कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दल का टिकट इस तरह धार्मिक संगठनों या मौलवियों की सिफारिशों पर निर्भर करता है? और अगर ऐसा है तो कांग्रेस में मेहनत कर रहे हिंदू कार्यकर्ताओं की स्थिति क्या होगी? ये प्रश्न अचानक पूरे देश की बहस का हिस्सा बन गया है।

अरशद मदनी ने यह बयान किसी सामान्य मौके पर नहीं, बल्कि एक सभा में दिया। उनका यह दावा केवल अतीत का किस्सा नहीं बल्कि वर्तमान की राजनीति पर भी तीखा प्रहार है। भाजपा ने इसे हाथोंहाथ लिया और कांग्रेस पर एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगाया है। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इस बयान का जवाब उसी तेवर में दिया, जिसके लिए वे जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी पहले ही उन्हें धमकी दे चुके थे और अब मदनी ने चेतावनी दी है। जितनी ज्यादा धमकी दोगे, उतना ही ज्यादा असम के लोग उठ खड़े होंगे और मुकाबला करेंगे। सरमा ने साफ कहा कि वे अवैध रूप से बसे लोगों को बेदखल करना जारी रखेंगे और मूल निवासियों के भूमि अधिकार सुरक्षित करेंगे। उन्होंने मदनी और राहुल गांधी दोनों को असम के लोगों से लड़ने की चुनौती दी और ऐलान किया कि हम उन्हें हरा देंगे।

असल में मदनी का यह बयान उस पृष्ठभूमि में आया है जब असम में बेदखली अभियानों पर जमीयत और भाजपा सरकार आमने-सामने हैं। पिछले कुछ महीनों में गोलपाड़ा, धुबरी और नलबाड़ी जिलों में हजारों परिवारों को बेदखल किया गया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक लगभग 8,000 से ज्यादा परिवार प्रभावित हुए हैं। जमीयत का दावा है कि 50,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए। जमीयत ने राष्ट्रपति और उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश तक को पत्र लिखकर इस अभियान को रोकने की मांग की है। यहां तक कि जमीयत ने प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आश्रय भी लगाए और राहत सामग्री भी बांटी। असम सरकार का तर्क है कि ये अभियान अवैध कब्जों को हटाने और मूल निवासियों के अधिकार सुरक्षित करने के लिए हैं। मुख्यमंत्री सरमा का कहना है कि बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठिये जमीन पर कब्जा कर रहे हैं और असम की अस्मिता के लिए यह खतरा है। यही कारण है कि वे इसे किसी भी कीमत पर रोकने के पक्ष में नहीं हैं। जमीयत और सरमा सरकार की यह भिड़ंत केवल बेदखली तक सीमित नहीं रही। अरशद मदनी ने जब बेदखली अभियानों की तुलना गाजा से की, तो भाजपा ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी तक की मांग कर डाली। भाजपा का कहना था कि इस तरह का बयान असमिया जनता की भावनाओं को आहत करता है। सरमा ने भी मदनी और उनके गुटों को द्बह्लद्मद्यद्द1ड्डठ्ठह्ल करार देते हुए कहा कि असम की राजनीति इन्हीं पुराने मजहबी संगठनों की दया पर नहीं चल सकती। यही नहीं, असम की जमीन और पहचान पर हाल में कई विवादास्पद बयान आए। महिला अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व योजना आयोग सदस्य सैयदा हामीद ने कहा कि सारी जमीन अल्लाह की है। इस पर सरमा ने कड़ी प्रतिक्रिया जताई और इसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता बताया। उन्होंने कहा कि यह अवैध प्रवासियों को वैध ठहराने की कोशिश है। उधर, ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन (आसू) ने भी अवैध प्रवास और सीएए-एनआरसी जैसे मुद्दों को लेकर बड़ा आंदोलन खड़ा करने की घोषणा की है। उन्होंने भूख हड़ताल, मशाल जुलूस और मानव श्रृंखला जैसे कार्यक्रमों की घोषणा की है। यह संकेत है कि असम में जमीन, पहचान और नागरिकता का सवाल चुनावी राजनीति से कहीं ज्यादा गहराई से समाज की नसों में बैठा हुआ है।

इस पूरे प्रकरण का एक बड़ा राजनीतिक अर्थ यह है कि कांग्रेस की छवि एक बार फिर मुस्लिम तुष्टिकरण वाली पार्टी के रूप में सामने आई है। मदनी ने जो बोला है उससे तो आज यही समझ आता है कि कांग्रेस का टिकट वितरण मौलवियों और मजहबी नेताओं की इच्छा पर निर्भर है। निश्चित ही यह कांग्रेस के लिए ही नहीं स्वस्थ लोकतंत्र के लिए भी खतरे की घंटी है। यदि कांग्रेस सचमुच किसी मौलाना के दबाव में टिकट देती है, तो यह पार्टी के भीतर लोकतंत्र पर उठता बड़ा सवाल है। कांग्रेस के हिंदू कार्यकर्ताओं को यह संदेश जाता है कि उनकी वर्षों की मेहनत, संघर्ष और निष्ठा का कोई महत्व नहीं, क्योंकि अंततः टिकट का फैसला किसी बाहरी मजहबी संगठन की सिफारिश से तय होता है।

यहां यह याद रखना जरूरी है कि हिमंता बिस्वा सरमा खुद कभी कांग्रेस में थे। 2014 में उन्होंने तरुण गोगोई से मतभेदों के चलते पार्टी छोड़ी और 2015 में भाजपा में शामिल हुए। 2016 में वे फिर से विधानसभा पहुंचे और सर्बानंद सोनोवाल की सरकार में मंत्री बने। 2021 में वे असम के मुख्यमंत्री बने। यानी कांग्रेस ने एक ऐसे नेता को गंवा दिया, जो आज भाजपा की राजनीति का सबसे ताकतवर चेहरा है। अगर मदनी की चिट्ठी और दबाव ने वाकई सरमा की टिकट पर असर डाला था, तो कांग्रेस का नुकसान कितना बड़ा हुआ, यह आज साफ दिखता है। इस परिदृश्य का निचोड़ यही है कि अरशद मदनी का बयान कांग्रेस के लिए केवल एक विवादित वक्तव्य नहीं, बल्कि पार्टी की कार्यप्रणाली पर गहरी चोट है। यह सवाल खड़ा करता है कि क्या कांग्रेस के टिकट वास्तव में लोकतांत्रिक प्रक्रिया से तय होते हैं या फिर बाहरी धार्मिक संगठनों की पसंद-नापसंद से अगर कांग्रेस इस पर स्पष्ट और ठोस जवाब नहीं देती, तो यह स्पष्ट है कि कांग्रेस पर लगने वाले तमाम तुष्टीकरण के आरोप सच ही हैं। असम जैसे संवेदनशील राज्य में, जहां अवैध प्रवास, नागरिकता और भूमि का मुद्दा दशकों से राजनीति का केंद्र रहा है, वहां कांग्रेस का यह कमजोर पड़ता रुख बता रहा है कि आज यहां जो इस तरह की समस्याएं हैं, इन सभी का जिम्मेदार यदि कोई है तो वह कांग्रेस ही है। फिलहाल तो यही समझ आ रहा है कि अरशद मदनी के 'लेटर बम' ने कांग्रेस की असल सच्चाई सामने लाकर रख दी है। बहुसंख्यक हिन्दू समाज के दम पर सत्ता में आने वाली कांग्रेस का दिल मुसलमानों के लिए धड़कता है, कहना होगा कि एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए कहीं से भी यह अच्छी स्थिति नहीं है।

संवाद के साथ सतर्कता भी आवश्यक, सीमा विवाद के बाद पहली अहम मुलाकात

> **सात वर्षों के अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर तक चीन के दौरे पर होंगे। वह जापान की यात्रा के बाद चीन पहुंचेंगे। सात वर्षों बाद उनका प्रमुख पड़ोसी देश चीन जाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि दोनों देशों का रिश्ता कितना जटिल और समस्याओं से भरा है। कूटनीतिक दृष्टिकोण से मोदी की यात्रा द्विपक्षीय नहीं है, क्योंकि वे चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। इस सम्मेलन के दौरान वे अन्य शासनाध्यक्षों के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी मिलेंगे और यह स्पष्ट ही है कि आपसी विषयों पर भी बातचीत करेंगे।**

श्रीराम चौलिया

भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है। अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है। ऐसी बदली परिस्थितियों में मोदी का शी से मिलना और रिश्तों में सुधार आना समयोचित है। सात वर्षों के अंतराल के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 31 अगस्त से एक सितंबर तक चीन के दौरे पर होंगे। वह जापान की यात्रा के बाद चीन पहुंचेंगे। सात वर्षों बाद उनका प्रमुख पड़ोसी देश चीन जाना स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि दोनों देशों का रिश्ता कितना जटिल और समस्याओं से भरा है। कूटनीतिक दृष्टिकोण से मोदी की यात्रा द्विपक्षीय नहीं है, क्योंकि वे चीन के तियानजिन शहर में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के बहुपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। इस सम्मेलन के दौरान वे अन्य शासनाध्यक्षों के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से भी मिलेंगे और यह स्पष्ट ही है कि आपसी विषयों पर भी बातचीत करेंगे।

भारत-चीन के लिए यह बैठक अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि 2020 से जारी तनाव से निकल नए सिरे से संबंधों में सुधार लाने के लिए दोनों शीर्ष नेताओं का मिलना आवश्यक है। चीन और भारत के संदर्भ में शीर्ष राजनीतिक स्तर की वार्ता से निकले संकेत हमेशा लाभदायक रहे हैं। 2017 में डोकलाम में दोनों देशों की सेनाओं के आमने-सामने होने के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी ने विवादों को टकराव में बदलने से रोकने के लिए शी के साथ वुहान में अनौपचारिक राजनय के माध्यम से प्रयास किया था, पर अफसोस कि चीन ने तत्पश्चात फिर से आक्रामक रुख अपना लिया। 2020 में गलवान घाटी में हुई सैनिकों की मुठभेड़ में दोनों पक्षों को क्षति पहुंची थी। दोनों देशों ने भारी हथियारों से लैस होकर लगभग साठ हजार सैनिकों को सरहद पर युद्ध की तैयारी के हालात में तैनात कर दिया था।

चीन की चाह एशिया में वर्चस्व और विश्व में अमेरिका के साथ बराबरी की हैसियत पाने की है। इसी कारण जब वह पड़ोसी देशों में कमजोरी या अनिश्चितता देखता है तो उस पर झपट पड़ने और उस पर दबाव बनाने को तत्पर हो जाता है। उसकी इस नीयत को समझकर ही मोदी सरकार ने गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प के बाद चीन के सामने सैन्य बल का प्रदर्शन किया और उसे स्पष्ट रूप से यह संदेश दिया कि ÷सीमाओं की स्थिति समग्र संबंधों की स्थिति को परिभाषित करेगी।÷ भारत का सख्त रुख देखकर चीन को पूर्वी लद्दाख से लगी सीमा के कुछ हिस्सों से अपने सैनिक हटाने पड़े, जहां उसने एकतरफा तरीके से जमीन हड़पने की कोशिश की थी।

भारत का अडिग रवैया देखकर ही आज चीन वापस रिश्तों में नरमाहट लाने की कोशिश में है। अक्टूबर 2024 से अब तक चीन ने न केवल अपने सैनिकों को विवादित क्षेत्रों से पीछे हटाया है, बल्कि सीमा पर शांति कायम करने के लिए नई व्यवस्थाओं को भी स्वीकारा है। ऐसी बदली परिस्थितियों में मोदी का शी से मिलना और रिश्तों में सुधार आना समयोचित है। आलोचक कह सकते हैं कि शीर्ष स्तरीय कूटनीति का यह नया दौर भी अंततः विफल रहेगा और चीन भारत पर दबाव बनाता रहेगा, क्योंकि वह भारत को अपने बराबर नहीं आने देना चाहता है, लेकिन जिस पड़ोसी के साथ 3,488 किलोमीटर की सीमा लगती हो और जो एशिया के उन्हीं देशों में अपना दबदबा बना रहा हो, जहां भारत के राष्ट्रीय हित समाहित हैं, उसके साथ कम से कम सम्मानजनक कामकाजी रिश्ता होना तो आवश्यक ही है। एक उत्तरदायी और स्थिरता प्रिय देश होने के नाते भारत कभी भी चीन के साथ पुनः युद्ध नहीं चाहेगा। 'सीमा समस्या' का समाधान अब भी दूर की कौड़ी लगती है, पर बातचीत और संपर्क बनाए रखने में कोई हानि नहीं है।

चीन से संपर्क-संवाद बढ़ाने के बाद भी उसके साथ संबंधों में आई नरमी को लेकर भारत अत्यधिक आशावादी नहीं हो सकता। आपरेशन सिंदूर के समय चीन ने अपने 'सदाबहार मित्र' पाकिस्तान को भारत के विरुद्ध अभूतपूर्व सैन्य सहायता दी। शी अपने 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे' को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर भी जोर दे रहे हैं, जिससे वहां भारत के प्रभाव पर असर पड़ेगा। दक्षिण एशिया और हिंद महासागर के प्रत्येक देश में चीन भारत के विकल्प के तौर पर पेश आ रहा है। इस मामले में भूराजनीतिक प्रतिस्पर्धा के कम होने की कोई संभावना नहीं है। मोदी और शी का हाथ मिलाना और आपसी हितों पर मंत्रणा करने का यह मतलब नहीं कि 'हिंदी-चीनी भाई-भाई' का जमाना फिर आ जाएगा। सचेत और सावधान रहते हुए जिम्मेदारीपूर्वक कूटनीति करना भारत की पहचान है। फिलहाल चीन के साथ रिश्तों में नरमी को इसी नजरिये से देखना चाहिए।

इस समय भारत और चीन संवेदनशीलता के आधार पर तब अपने मतभेदों को सुलझाने में रुचि ले रहे हैं, जब भारत और अमेरिका की सामरिक साझेदारी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के कारण आंच आई है। भारत में चीन के राजदूत ने यह तक दावा किया है कि दोनों देश अमेरिका की धमकी और धौंस के खिलाफ एकजुट हो सकते हैं, पर तथ्य यही है कि चीन भारत की ऐसी कोई क्षतिपूर्ति नहीं कर सकता, जो अमेरिका के टैरिफ की वजह से होगी।

चीन ने भारत पर कृषि के लिए उर्वरकों, दुर्लभ खनिजों और सुरंग खोदने वाली मशीनों के निर्यात प्रतिबंध को हटाकर भरोसे की बहाली का संकेत तो दिया है, पर असलियत यह है कि चीन को भारत के साथ लगभग 100 अरब डालर का व्यापार अधिशेष प्राप्त है। ऐसे में चीन को अमेरिका का विकल्प मानना अथवा रणनीतिक उलटफेर की आशा करना, जिसमें चीन और भारत एक साथ आकर अमेरिका को चुनौती दें, यथार्थवादी सोच नहीं है। अमेरिका द्वारा छेड़ा गया व्यापार युद्ध कभी न कभी सुलझ जाएगा, लेकिन चीन और भारत के बीच असंतुलित व्यापार का समाधान आसान नहीं दिखता।

चीन यह भी चाहता है कि भारत पश्चिमी देशों के साथ अपनी मित्रता तोड़े और उसके खेमे में आ जाए, लेकिन भारत स्वयं महाशक्ति बनने के मार्ग पर है। ऐसे में वह अपनी सामरिक स्वायत्ता पर समझौता नहीं करेगा। करना भी नहीं चाहिए। इन अंतर्विरोधों के बावजूद मोदी का शी के साथ संबंधों को सामान्य बनाने के प्रयास की अहमियत को कम करके नहीं आंकना चाहिए। भारत चीन के साथ सम्मानजनक संबंध चाहता है। यह केवल शक्ति और कूटनीति के संयोजन से ही संभव है।

जिले में खेल के क्षेत्र में विपुल संभावनायें : गणेश सिंह

राष्ट्रीय खेल दिवस पर सम्मानित हुए सभी खेल विधाओं के खिलाडी

सांसद खेल महोत्सव 2025 के शुभारंभ की घोषणा

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद के जन्म दिवस के अवसर पर राज्य शासन के निर्देशानुसार सम्पूर्ण जिले में 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल गतिविधियों का आयोजन किया गया। सतना जिले के दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम जवाहर नगर में राष्ट्रीय खेल दिवस के समापन अवसर पर सांसद गणेश सिंह ने सतना और मैहर जिले के संसदीय क्षेत्र में सांसद खेल महोत्सव 2025 के शुभारंभ की विधिवत घोषणा की। सांसद सिंह ने कहा कि सतना और मैहर जिले में खेल के क्षेत्र में विपुल संभावनायें है। जिले में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल की अधोसंरचना एवं सुविधायें उपलब्ध कराने के निरंतर प्रयास भी किये जा रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेलों में परचम फ्हरा कर जिले का नाम रोशन करने वाले खिलाडियों को सांसद ने सम्मानित किया। इस मौके पर विधायक चित्रकूट सुरेन्द्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल, उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, जिलाध्यक्ष सतना भगवती प्रसाद पाण्डेय, मैहर कमलेश सुहाने, विंध्य चेम्बर ऑफ कामर्स के अध्यक्ष सतीश सुखेजा, नरेन्द्र त्रिपाठी, उमेश प्रताप सिंह, रवीन्द्र सिंह सेठी, श्रीराम मिश्रा, सौभाग्य केशरी, पूर्व स्पीकर अनिल जायसवाल, संभागीय खेल अधिकारी एमके धौलपुरिया, खेल अधिकारी एसपी तिवारी, जिला शिक्षा अधिकारी कंचन श्रीवास्तव सहित जिले के विभिन्न खेल संघों, संगठनों और एसोशिएशन के पदाधिकारी, खिलाडी तथा युवा छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे।

सांसद गणेश सिंह ने सांसद खेल महोत्सव 2025 के शुभारंभ अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खेलो इंडिया खेलो और फिट इंडिया फिट के नारे के साथ देश के उदीयमान खिलाडियों को विश्व के पटल पर ऊंचाइयों तक ले जाने का सपना देखा है। आज पूरे देश में खिलाडियों के लिए खेलों की अधोसंरचना का बडा स्ट्रक्चर खडा हुआ है। सतना में दादा सुखेन्द्र सिंह स्टेडियम, धवारी क्रिकेट स्टेडियम, स्पोर्ट काम्पलेक्स जैसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल सुविधायें उपलब्ध की जा रही है। सतना जिले में 40 से अधिक खेल संगठन है। जिनके माध्यम से जुडे खिलाडी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सतना संसदीय क्षेत्र में वर्ष 2011-12 से प्रारंभ हुआ सांसद ट्राफी खेल का आयोजन पूरे देश में विस्तारित हुआ है। इन सांसद ट्राफी के खेलों में 40-50 हजार ग्रामीण क्षेत्र के उदीयमान खिलाडियों ने हिस्सा लिया और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचे हैं। सांसद ने कहा कि खेलों में हार-जीत मायने नहीं रखती बल्कि खिलाडी की क्षमता और स्तर की पहचान होती है। सतना में ओलंपिक स्तर के नार्म के खेल मैदान बनाये जा रहे हैं। सतना और मैहर खेल के क्षेत्र में बहुत बडी संभावनाओं वाले जिले हैं। उन्होंने कहा कि सतना में विभिन्न विधाओं में प्रशिक्षकों की उपलब्धता के लिए खेल प्रशिक्षण संस्थान खोलने के प्रयास किये जायेंगे।

सांसद खेल महोत्सव 2025 की विधिवत घोषणा करते हुए सांसद ने कहा कि इसमें 5 खेल ओलंपिक और 3 खेल स्थानीय स्तर के शामिल किये गये हैं। कल से आनलाइन पंजीयन प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। ग्रामीण क्षेत्रों से 5 ग्राम पंचायतों की एक टीम तथा नगरीय निकाय में 5 वार्डों की एक टीम बनाई जायेगी। पंजीकृत खिलाडी केवल एक खेल में हिस्सा ले सकेंगे। इस आयोजन को 25 दिसंबर 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

कट्टे की नोक पर बुजुर्ग से लूट, 20 हजार रुपए; मोबाइल और सोने की अंगूठी छीनकर भाग गए बदमाश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। कोलगवां थाना क्षेत्र में एक बुजुर्ग से लूट का मामला सामने आया है। संतोषी माता मंदिर के पास शुक्रवार रात साढ़े 10 बजे तीन अज्ञात बदमाशों ने एक बुजुर्ग को निशाना बनाया। पीड़ित राजेंद्र सिंह डिलौरा के निवासी हैं। वह अपने छोटे भाई की पत्नी के अंतिम संस्कार के लिए प्रयागराज जा रहे थे। इसी दौरान तीन बदमाश कट्टा लेकर आए। उन्होंने गाली-गलौज करते हुए राजेंद्र सिंह से 20 हजार रुपए, कीपेड मोबाइल और सोने की अंगूठी छीन ली। घटना के बाद राजेंद्र सिंह प्रयागराज चले गए। वहां से लौटने के बाद 30 अगस्त की रात उन्होंने थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अस्पताल प्रबंधन की लापरवाही से गई जान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। बिड़ला अस्पताल में हंगामा की खबर सामने आई है। यह घटना सुबह 4-5 बजे की बताई जा रही है। एक मरीज़ को उनके परिजनों ने गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया था। मरीज़ की हालत इतनी गंभीर थी कि परिजनों ने तुरंत अस्पताल पहुंचकर इलाज की गुहार लगाई। दुर्भाग्यवश, सुबह 4-5 बजे मरीज़ की मौत हो गई। मरीज़ की मौत के बाद, अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों को भारी-भरकम बिल थमा दिया, जिससे परिजन नाराज हो गए। परिजनों का कहना था कि अस्पताल में इलाज की गुणवत्ता और मरीज़ की देखभाल में कमी रही, जिसके कारण उनकी जान चली गई।

हंगामे के दौरान, परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जब मरीज़ की हालत गंभीर थी, तब अस्पताल ने सही तरीके से इलाज नहीं किया। इस स्थिति को देखकर अन्य मरीज़ों और उनके परिजनों में भी डर और चिंता फैल गई।

हंगामे की सूचना मिलने पर अस्पताल प्रबंधन ने कोलगवा थाना की पुलिस को बुलाया। पुलिस के आने के बाद, अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों से बातचीत की। पुलिस ने भी परिजनों की बात सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि उनकी चिंताओं को गंभीरता से लिया जाएगा। अस्पताल प्रबंधन ने परिजनों से कहा कि वे बिल में कुछ कटौती करने पर विचार करेंगे। इसके बाद, परिजनों ने अपनी नाराजगी को कम करते हुए मामला शांत किया। हालांकि, इस घटना ने अस्पताल की सेवाओं और प्रबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि अस्पताल को मरीज़ों की देखभाल में अधिक ध्यान देना चाहिए और इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए उचित कदम उठाने चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अस्पतालों को मरीज़ों के परिजनों के साथ संवेदनशीलता से पेश आना चाहिए, खासकर जब वे कठिन समय से गुजर रहे हों।

शिक्षकों का विरोध-प्रदर्शन, ई-अटेंडेंस एप के खिलाफ धरना; नेटवर्क समस्या से परेशान

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शिक्षकों ने ई-अटेंडेंस एप के विरोध में धरना-प्रदर्शन किया। रविवार को सिविल लाइन स्थित चौपाटी में शिक्षक एकत्र हुए। राज्य शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष शैलेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि शिक्षा विभाग का रवैया अफसरशाही है। यह शिक्षकों पर अनावश्यक दबाव बना रहा है। इससे शैक्षणिक गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। विभाग द्वारा उपयोग किया जा रहा मोबाइल एप तकनीकी खामियों से भरा है। ग्रामीण और दूरस्थ विद्यालयों में नेटवर्क की समस्या के कारण एप ठीक से काम नहीं कर रहा है। शिक्षकों की उपस्थिति सही तरीके से दर्ज नहीं हो पा रही है।

शिक्षकों का कहना है कि वे पूरी निष्ठा से काम कर रहे हैं। विभागीय अधिकारी मनमाने आदेश जारी कर उनकी गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं। शिक्षक संघ ने सुझाव दिया है कि विभाग हर स्कूल में बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट मशीन लगा सकता है। त्रिपाठी ने विभाग को चेतावनी दी कि शिक्षकों के आत्मसम्मान और कार्यस्थल की गरिमा से खिलवाड़ अब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान मोबाइल एप विवादित और अविश्वसनीय है।

शासकीय महाविद्यालय के अटल सभागार में हुआ विमुक्त दिवस पर कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार विमुक्त दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम रविवार को शासकीय स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय (कालेज आफ एक्सीलेंस) के अटल सभागार पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग केके शुक्ला सहित विमुक्त, घुमन्तु समाज के लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विमुक्त, घुमन्तु समाज के पदाधिकारियों तथा लोगों को शासन की योजनाओं की जानकारी देते हुए अधिक से अधिक योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। विभागीय योजनाओं में विमुक्त घुमन्तु समाज हेतु संचालित योजनाएं में छात्रावास योजना, बस्ती विकास योजना, पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना, स्वरोजगार योजना आदि की जानकारी दी गई।

पूर्व महापौर ममता पांडे की पुत्रवधू का हृदयघात से हुआ निधन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। पूर्व महापौर ममता पांडे की पुत्रवधू एवं डॉ अमित पांडे की पत्नी का हृदयघात से निधन हो गया है। यह समाचार सुनकर परिवार और समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। डॉ अमित पांडे की पत्नी का अचानक निधन सभी के लिए एक बड़ा सदमा है। परिवार के सदस्यों और दोस्तों ने इस दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उनकी याद में सभी ने एकजुट होकर संवेदनाएं प्रकट की हैं। पार्थिव शरीर को अस्पताल से निज निवास बगहा लाया रहै। परिवार के सदस्य और करीबी लोग इस कठिन समय में एकत्रित हो रहे हैं, ताकि वे एक-दूसरे का सहारा बन सकें। इस दुखद घटना ने सभी को यह याद दिलाया है कि जीवन कितना अनिश्चित है। डॉ अमित पांडे और उनके परिवार के प्रति सभी की संवेदनाएं हैं।

स्वच्छता की पाठशाला में विद्यार्थियों को दिया गया संदेश

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नगर पालिक निगम सतना की आईइसी टीम द्वारा स्वच्छता की पाठशाला के अंतर्गत छात्रों-छात्राओं को स्वच्छता के महत्व पर जागरूक किया गया। इस अवसर पर उन्हें बताया गया कि स्वच्छ वातावरण न केवल हमारे स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है, बल्कि यह समाज को भी स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सहायक है। कार्यक्रम के दौरान आगामी गणेश चतुर्थी उत्सव को देखते हुए विशेष अपील की गई। टीम द्वारा स्पष्ट संदेश दिया गया कि पंडालों में सिंगल यूज़ प्लास्टिक का प्रयोग न किया जाए। साथ ही पूजा-पाठ में उपयोग होने वाले फूल और सामग्री को इधर-उधर फेंकने के बजाय नगर निगम द्वारा निर्धारित स्थानों पर ही डालने का अनुरोध किया गया।

छात्रों को यह भी समझाया गया कि स्वच्छता बनाए रखना केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। यदि हम सभी मिलकर छोटे-छोटे प्रयास करें, तो शहर को और भी साफ-सुथरा व सुंदर बनाया जा सकता है। इस कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने स्वच्छता के संदेश को आत्मसात करने और अपने परिवार व समाज तक पहुँचाने का संकल्प लिया।

किसान की जमीन कब्जा कर निगम प्रशासन निकाल दिया रोड, नगर निगम ने हाई कोर्ट के आदेश की उड़ाई धज्जियां

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। शहर के वार्ड 29 सुमित बाजार के सामने एडवोकेट मुन्नी खान के घर के पास से सिद्दीक खान के घर के आगे तक किसान की जमीन है इस पर निगम प्रशासन ने जबरन गुंडागर्दी करके रोड निकाल दिया जबकि इस जमीन का हाई कोर्ट से स्टे भी जारी है। इसके बावजूद भी निगम के जिम्मेदार अधिकारी हाई कोर्ट की धज्जियां उड़ाते हुए यह काम कर दिया। इधर किसा ने इस मामले को लेकर कोर्ट पहुंच गया अब न्यायालय से ही इसका आदेश होगा और न्यायालय के चंगुल में निगम प्रशासन फंस सकता है।

अमौधा कला आराजी नंबर 797 और 803 से अवैध रूप से रोड का निर्माण नगर निगम कर दिया है यह मामला पूर्व का है। इस भाजपा सरकार में क्या ऐसा होता है कि दूसरे की जमीन पर प्रशासनिक अधिकारी मिलकर कब्जा कराया गय। और जबरन रोड निकाल दिया है किसान की आवाज को दबा दिया था। यह भी कहा जा रहा है कि किसान परिवार एक मुस्लिम है। इसलिए इन्हें परेशान किया जा रहा है और जीना मुश्किल कर दिया है। इस मामले में वार्ड पार्षद पति भी शामिल है और यह अवैध जमीन कब्जा करके अपने आप को सबसे बड़ा पतेरी क्षेत्र का गुंडा समझता है। और इसके साथ -25-से 30 लोग शामिल है। जो अवैध काम करते हैं। अगर सिविल लाइन थाना पुलिस को इनके खिलाफ रिपोर्ट कोई करता है तो पुलिस भी इन्हीं की तरफ बोलती है। और गरीब किसान को परेशान करती है। इससे लगता है कि भाजपा सरकार में किसानों की सुनवाई नहीं है और पुलिस का लाआडर फेल हो गया है। किसान मर रहा है जिसे देखने के लिए सत्ताधारी नेता भी नहीं जाते हैं। इसलिए भू-माफियों के हौसले बुलंद हैं।

पोड़ी चौराहे में शव रखककर ग्रामीणों ने किया चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। नागौद थाना के पोड़ी चौकी समीप चौराहे में वीरपुर गांव के ग्रामीणों ने शव रखकर किया है चक्काजाम मिली जानकारी अनुसार वीरपुर गांव निवासी ग्रामीण महेंद्र कुशवाहा का बीमारी के चलते मृत्यु हो गई है मृतक का संबल कार्ड नहीं बना था उसे अंत्येष्टि सहायता राशि से वंचित किया गया जिस कारण गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मृतक के घर से 5 किलोमीटर दूर पोड़ी चौराहे में पहुंच शव रखकर चक्काजाम कर दिया है।

इन्नर व्हील क्लब सतना उद्गम ने किया सी.पी.आर. ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। इन्नर व्हील क्लब ऑफ सतना उद्गम द्वारा रविवार को सी.पी.आर. (कार्डियो पल्मोनरी रिससिटेशन) ट्रेनिंग प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य इनर व्हील बहनों को जीवन रक्षक तकनीक की जानकारी देना और आपातकालीन परिस्थिति में लोगों की जान बचाने के लिए सक्षम बनाना रहा। यह विशेष प्रशिक्षण सार्थक हॉस्पिटल, पन्ना रोड में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में प्रमुख सहयोगी रोटरी क्लब सतना एवं विशेष सहयोगी सतना एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स रहे। दोपहर 3 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस सत्र में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने बहनों को सी.पी.आर. तकनीक की विस्तृत जानकारी दी और प्रैक्टिकल डेमोंस्ट्रेशन भी कराया।

इस अवसर पर क्लब अध्यक्ष जूही गौरव अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनामिका अग्रवाल, सचिव प्रियंका मिश्रा तथा सदस्य कोमल ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनके साथ क्लब की अन्य बहनों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया और प्रशिक्षण का लाभ उठाया।

कार्यक्रम में रोटरी अध्यक्ष डॉ. सुनील अग्रवाल, डॉ. रश्मि अग्रवाल, डॉ. वी.के. गांधी, डॉ. रजनीश जायसवाल, डॉ. आलोक खन्ना, डॉ. विजेता राजपूत, डॉ. सुमित अग्रवाल एवं सी.पी.आर. की समस्त डॉक्टर टीम का विशेष सहयोग रहा। क्लब अध्यक्ष जूही गौरव अग्रवाल ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ आपात स्थिति में सही कदम उठाने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होंगे।

कई जगहों पर चालानी कारवाही करते हुए 5 किलो अमानक पॉलीथीन जप्त

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। 30 अगस्त को स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद प्रताप सिंह जी के आदेशानुसार नगर निगम की स्वच्छता टीम एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की टीम द्वारा इंडियन कॉफ़ी हॉउस के पीछे, सिमरिया चौराहा, रीवा रोड, साहनी ऑटो पार्ट्स के पास एवं कबाड़ी की दुकान पर चालानी कार्यवाही की गयी जिसमे 5 किलो अमानक पॉलीथिन जप्त की गयी और 5 स्थानों पर स्पॉट फाइन करते हुए कुल 3250 /- रुपए का जुर्माना किया गया। सभी व्यपारियों को सख्त हिदायतदी गई कि कचरा यहाँ वहां नहीं फेकते हुए सिर्फ कचरा गाड़ी मे डालें और सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग ना करें।

उप मुख्यमंत्री ने किया व्हाइट टाइगर सफारी का निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रविवार को मैहर जिले के मुकुंदपुर में स्थित महाराजा मार्तंड सिंह व्हाइट टाइगर सफारी का निरीक्षण किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सफेद शेर सहित अन्य वन्य प्राणी के अहाते का अवलोकन किया। उप मुख्यमंत्री ने रेप्टाइल हाउस के निरीक्षण के दौरान सर्प की विभिन्न प्रजातियों के सर्प देखे और उनके रहवास से संबंधित जानकारी भी ली। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सफेद शेर 'मोहन' को देखा तथा उसकी देखभाल और आहार संबंधी जानकारी ली।

इस दौरान बताया गया कि शनिवार-रविवार सहित अवकाश के दिन में सफारी में बडी संख्या में पर्यटकों का आवागमन होता है। उप मुख्यमंत्री ने पर्यटकों के लिए खानपान, पेयजल आदि की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो। इस अवसर पर डीएफओ मयंक चांदीवाल सहित वन विभाग और सफारी के अधिकारी उपस्थित रहे।

होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सतना में पूरी तरह नए सीबी 125 हॉर्नेट और शाइन 100 डीएक्स का किया शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया ने सतना, मध्य प्रदेश में पूरी तरह नए ष्टक्च125 हॉर्नेट और शाइन 100 डीएक्स का परिचय कराया। पूरी तरह नए होंडा सीबी125 हॉर्नेट की कीमत 1,12,000 (विशेष प्रारंभिक प्रस्ताव) रखी गई है, जबकि शाइन 100 डीएक्स की कीमत 74,100 रखी गई है, सभी कीमतें सतना, मध्य प्रदेश के एक्स-शोरूम अनुसार हैं। कंपनी ने इन दोनों मोटरसाइकिलों का वितरण भी शुरू कर दिया है।

नई पीढ़ी के सवारों को ध्यान में रखते हुए सीबी125 हॉर्नेट को तैयार किया गया है, जो अपने स्पोर्टी अंदाज़ और रोमांचक परफ़ॉर्मेंस के साथ 'राइड योर रिज़' की भावना को दर्शाती है। वहीं शाइन 100 डीएक्स अपने उन्नत फीचर्स और प्रीमियम स्टाइलिंग के साथ अपनी परंपरा को आगे बढ़ाती है, जो ग्राहकों की उम्मीदों पर खरी उतरती है - 'सॉलिड है'। ग्राहक इन मोटरसाइकिलों की बुकिंग अपने नज़दीकी होंडा अधिकृत डीलरशिप पर जाकर कर सकते हैं।

होंडा सीबी125 हॉर्नेट आक्रामक स्ट्रीट-स्टाइल डिज़ाइन के साथ आती है और चार आकर्षक रंग विकल्पों में उपलब्ध है - पर्ल सायरन ब्लू विद लेमन आइस येलो, पर्ल इग्नियस ब्लैक, पर्ल सायरन ब्लू विद एथलेटिक ब्लू मेटैलिक, और पर्ल सायरन ब्लू विद स्पोर्ट्स रेड। इसमें सेगमेंट में पहली बार सुनहरे यूएसडी फ्रंट फोर्क्स दिए गए हैं। साथ ही इसमें ऑल-एलईडी लाइटिंग सिस्टम और 4.2 इंच का टीएफटी डिस्प्ले दिया गया है, जो ब्लूटूथ-सक्षम होंडा रोडसिंक कनेक्टिविटी के साथ आता है, जिससे नेविगेशन, कॉल और एसएमएस अलर्ट्स तक आसान पहुंच मिलती है।

अतिरिक्त सुविधाओं में यूनिवर्सल टाइप-सी चार्जिंग पोर्ट और सिंगल-चैनल एबीएस के साथ आगे 240 मिमी पेटल डिस्क शामिल है।

यूट्यूब से सीखकर काट डाले पोस्ट-ऑफिस के 9 ताले, रतलाम में ऑनलाइन मंगाया था ग्राइंडर

7 लाख से ज्यादा की चोरी 1000 सीसीटीवी से मिला सुराग

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के मुख्य डाकघर में ग्राइंडर से ताले काटकर कोषालय से 7 लाख से अधिक की चोरी करने वाले आरोपी को पुलिस ने तीन दिन की मशक्कत के बाद पकड़ लिया है। आरोपी ने विदेशी वेब सीरीज और यूट्यूब से चोरी की ट्रेनिंग ली थी और चोरी को अंजाम देने के लिए ऑनलाइन इलेक्ट्रिक ग्राइंडर तक खरीदा था।

1 हजार सीसीटीवी फुटेज से मिला सुराग : घटना 28 अगस्त की सुबह की है, जब सैलाना बस स्टैंड स्थित पोस्ट ऑफिस की बाउंड्रीवाल कूदकर एक अज्ञात बदमाश भीतर दाखिल हुआ। उसने ग्राइंडर कटर से मुख्य गेट का शटर और फिर 9 ताले काटे।

कोषालय का ताला इंटरलॉक होने के कारण उसने खिड़की की जाली काटी और भीतर घुसकर ?7,04,339 की नकदी चोरी कर ली। एसपी अमित कुमार ने खुलासा किया कि करीब 1000 सीसीटीवी कैमरों की जांच के बाद आरोपी तक पहुंचा गया। अनुमान था कि बांध जल्दी ही भर जाएगा और वही हुआ।

रविवार सुबह, बांध की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गेट क्रमांक-3 को लगभग डेढ़ मीटर खोला गया। अब भी पानी की आवक बनी हुई है। बारिश के इस मौसम में बांध के गेट खोले जाने की पहले से ही संभावना थी। ट ग्राम पंचायत अहमदपुर के सरपंच आशीष अहिरवार ने कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कन्या शाला अहमदपुर के प्राचार्य एमए अंसारी उन्हें स्कूल से जुड़ी कोई जानकारी नहीं देते हैं।

सरपंच के मुताबिक स्कूल में होने वाले किसी भी कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता। स्कूल में चल रहे विकास कार्यों और उनके लिए आवंटित धनराशि की जानकारी भी नहीं दी जाती। हाल ही में स्कूल में साइकिल वितरण कार्यक्रम हुआ, लेकिन उन्हें इसकी सूचना तक नहीं दी गई। भेदभाव किया जा रहा- आशीष अहिरवार आशीष अहिरवार ने बताया कि वह अनुसूचित जाति से हैं और उन्हें लगता है कि इसी कारण उनके साथ यह भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कलेक्टर से स्कूल में हो रहे विकास कार्यों और उनसे जुड़ी वित्तीय जानकारी उपलब्ध कराने की मांग की है।

तीन महीने पहले बनाई योजना, यूट्यूब से सीखी तरकीब : आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने तीन महीने पहले ही चोरी की योजना बनानी शुरू कर दी थी। उसने यूट्यूब से सीखा कि ग्राइंडर से ताले कैसे काटे जाते हैं और फिर फ्लिपकार्ट से बैटरी चालित इलेक्ट्रिक ग्राइंडर खरीदा।

चोरी से एक दिन पहले वह रतलाम पहुंचा और मेडिकल कॉलेज गया। घटना की रात 3 बजे वह बाइक से एमसीएच हॉस्पिटल पहुंचा, वहां से पैदल पोस्ट ऑफिस गया, चोरी के बाद वापस पैदल रेलवे स्टेशन पहुंचा और फिर ऑटो लेकर एमसीएच हॉस्पिटल पहुंचा जहां से बाइक लेकर फरार हो गया।

पोस्ट ऑफिस में खुद का भी अकाउंट : एसपी अमित कुमार ने बताया कि आरोपी ग्रेजुएट है और घर में बीमार मां व कर्ज के दबाव के चलते उसने चोरी की योजना बनाई। उसने पहले बैंक में चोरी करने का सोचा था, लेकिन वहां की सुरक्षा व्यवस्था और अलार्म सिस्टम के चलते उसने पोस्ट ऑफिस को टारगेट किया, जहां उसका खुद का खाता भी है।

घर की महिलाएं भी शामिल, बहन और पत्नी गिरफ्तार : पुलिस ने चोरी के आरोप में ग्राम बिनौली थाना रिंगनोद निवासी अमृत सिंह (28) पिता विक्रम सिंह सिसोदिया को गिरफ्तार किया है। चोरी के बाद अमृत ने जो पैसा घर में छिपाया, उसमें उसकी बहन पपीता (22) और पत्नी अनीता (22) ने मदद की। पुलिस ने दोनों को भी आरोपी बनाकर गिरफ्तार कर लिया है।

उज्जैन में गंभीर डैम पूरा भरा,1 गेट को खोलना पड़ा, लगातार हो रही बारिश से यशवंत सागर से आया पानी; जल देवता का होगा पूजन

उज्जैन, एजेंसी। इंदौर और बांध के कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण गंभीर बांध में लगातार पानी की आवक बनी हुई थी। इंदौर के यशवंत सागर डेम के गेट खुलने के बाद पानी तेजी से गंभीर बांध में पहुंचा। शनिवार को बांध में लगभग 1300 एमसीएफटी पानी आया। वहीं, रविवार सुबह बांध के लबालब हो जाने के बाद एक गेट को डेढ़ मीटर तक खोला गया। अभी भी बांध में पानी की आवक जारी है। गंभीर बांध की कुल क्षमता 2250 एमसीएफटी है। बांध की स्थिति का जायजा लेने के लिए रविवार सुबह नगर निगम पीएचई विभाग के अधिकारी भी गंभीर बांध पहुंचे।

बांध के पास जल देवता का होगा पूजन : नगर निगम की जलकार्य समिति के प्रभारी प्रकाश शर्मा ने बताया कि भगवान बिल्केश्वर जल देवता की कृपा से गंभीर बांध एक ही रात में अपनी पूरी क्षमता तक भर गया। ऐसे में शीघ्र ही गंभीर बांध के समीप स्थित जल देवता श्री बिल्केश्वर महादेव मंदिर में पूजन-अर्चन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इंदौर और इसके कैचमेंट एरिया में बारिश होने और यशवंत सागर डेम का एक गेट शुक्रवार रात 11:40 बजे खोले जाने के कारण, शनिवार दोपहर तक गंभीर बांध में 1300 एमसीएफटी पानी पहुंच चुका था।

सागर में किचन में घुसा 4 फीट लंबा कोबारा, युवती खाना बनाने पहुंची तो दिखा सांप; दौड़कर बाहर आए

सागर, एजेंसी। सागर के मोतीनगर क्षेत्र में स्थित पेट्रोल पंप के सामने एक मकान में सांप घुस गया। सांप किचन के अंदर छिपा बैठा था। किचन में खाना बनाने पहुंची परिवार की युवती ने सांप देखा तो हड़कंप मच गया। वह दौड़कर बाहर आई और परिवार के लोगों को सांप होने की जानकारी दी।

जिसके बाद उन्होंने स्नेक कैचर बबलू पवार को सूचना दी। बबलू पवार मौके पर पहुंचे और सांप का रेस्क्यू शुरू किया। रेस्क्यू के दौरान वे किचन में पहुंचे, जहां सांप टेबल के नीचे रखे सामान के बीच छिपा बैठा था। सांप बार-बार अपनी जगह-जगह बदल रहा था। स्नेक कैचर ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद सांप को पकड़ा लिया।

स्नेक कैचर बबलू पवार ने बताया कि मोतीनगर में ओम हाईस्कूल के बाजू में बने प्यासी महाराज के मकान में सांप था। मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कर सांप को पकड़ा है। रेस्क्यू में पकड़ाया सांप कोबरा प्रजाति का है जो करीब चार फीट लंबा है। यह सांप बेहद खतरनाक होता है। इस समय उमसभरी गर्मी पड़ रही है। ऐसे में सांप ठंडक के लिए बिलों से बाहर निकल रहे हैं। लोगों को अपने घरों के आसपास साफ-सफाई रखना चाहिए।

खिलचीपुर में प्रेमानंद महाराज के स्वरूप वाली गणेश प्रतिमा स्थापित श्रद्धालुओं को कर रही आकर्षित

राजगढ, एजेंसी। प्रेमानंद महाराज के स्वरूप में दिख रही गणेश जी की प्रतिमा राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में मंडी रोड स्थित भोमेश्वर मंदिर परिसर में स्थापित की गई है। जगदंबा ग्रुप द्वारा स्थापित इस प्रतिमा में गणेश जी बड़े बाल, दाढ़ी, पीले वस्त्र और माथे पर गोपी चंदन का तिलक लगाए सन्यासी स्वरूप में भक्तों को आशीर्वाद देते नजर आ रहे हैं। अनोखे स्वरूप के कारण प्रतिमा लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी हुई है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंच रहे हैं। रामघाट क्षेत्र में स्थित छोटे-छोटे मंदिरों तक नदी का पानी पहुंच गया। घाट पर स्थित कई मंदिरों में बाढ़ का पानी घुस गया, जिस कारण श्रद्धालुओं को घाट से दूर रहने की हिदायत दी गई है। बुधवार को उज्जैन और इंदौर के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई, जिससे बुधवार रात से शिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया था। उज्जैन में सुबह से ही रामघाट के कई मंदिर डूबे नजर आए, यहां तक कि बड़नगर की ओर जाने वाली छोटी रपट भी पानी में डूब गई। प्रतिमा में गणेश जी के दोनों हाथों पर राधा-राधा लिखा है। यह स्वरूप राधावल्लभ सम्प्रदाय और प्रेमानंद महाराज की भक्ति परंपरा का प्रतीक माना जा रहा है। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले तीन वर्षों से यहां गणेश प्रतिमा की स्थापना की जा रही है, लेकिन इस बार सनातन धर्म के प्रचार से प्रेरित होकर प्रेमानंद महाराज के स्वरूप में प्रतिमा को मूर्तिकार से बनवाया गया है।

भोमेश्वर मंदिर परिसर इन दिनों गणेश उत्सव की भक्ति और उत्साह से सराबोर है। अनोखी प्रतिमा के दर्शन के लिए स्थानीय लोग ही नहीं, आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। लोगों का कहना है कि यह स्वरूप भक्तिभाव और अध्यात्म का अद्भुत संगम है, जो खिलचीपुर के गणेश उत्सव को विशेष बना रहा है।

बिहार से सूरत जा रही महिला चलती ट्रेन से गिरी : सोनतलाई स्टेशन के पास हादसा, पुलिस ने 3 किमी पैदल चलकर खोजा शव

नर्मदापुरम, एजेंसी। शनिवार शाम नर्मदापुरम के सोनतलाई रेलवे स्टेशन के पास चलती ट्रेन से गिरने के कारण एक महिला की मौत हो गई। हादसा शाम करीब 7 बजे उस वक्त हुआ, जब महिला ट्रेन के शौचालय की ओर जा रही थी और संतुलन बिगड़ने पर कोच के गेट से नीचे गिर गई।

यात्रियों ने दी जानकारी, सोनतलाई स्टेशन पर रुकी ट्रेन : मृतका की पहचान नीलम देवी (55), पति रमेश सिंह कुर्मी निवासी धर्मचक दरियापुर, जिला छपरा, बिहार के रूप में हुई है। वह अपने पति के साथ 07652 छपरा-जालना स्पेशल एक्सप्रेस से सूरत, गुजरात जा रही थीं। रामपुर थाना प्रभारी विपिन पाल ने बताया कि हादसे के समय ट्रेन बागरा और सोनतलाई के बीच थी। महिला के गिरने की जानकारी मिलते ही यात्रियों ने शोर मचाया, जिसके बाद सोनतलाई स्टेशन पर ट्रेन को रोका गया।

पुलिस-आरपीएफ ने 3 किमी पैदल चलकर शव खोजा : घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची और रात के अंधेरे में ट्रैक पर करीब 3 किमी पैदल चलकर महिला को खोजा। महिला मृत अवस्था में रेलवे ट्रैक पर मिली। उसके सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

रामपुर पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराया : रामपुर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर रविवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। घटना से ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों में भी हड़कंप मच गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से चलती ट्रेन में विशेष सतर्कता बरतने और कोच के दरवाजों के पास सावधानी से चलने की अपील की है।में हुई ग्राम सभा में शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर अहम चर्चा हुई। ग्रामीणों ने बताया कि गांव से हाईस्कूल दूर होने के कारण ज्यादातर बच्चे आठवीं के बाद पढ़ाई छोड़ देते हैं। केवल वे बच्चे ही आगे की पढ़ाई कर पाते हैं जिन्हें होस्टल में चयन मिलता है।

रायसेन में कचरा वाहन से मिली नवजात का मामला सुलझा, टी शर्ट से खुला राज पुलिस ने आरोपी मां को हिरासत में लिया

रायसेन, एजेंसी। रायसेन जिले के बरेली में कचरा वाहन से मिली नवजात बच्ची के मामले में पुलिस ने रविवार को आरोपी मां को हिरासत में ले लिया। बच्ची को जिस टी-शर्ट में लपेटकर फेंका गया था, वह सुराग बनकर पुलिस तक पहुंची। एक व्यक्ति ने टी-शर्ट को पहचान लिया। उसने बताया कि यह टी-शर्ट होली के दौरान उसने घर में काम करने वाली दो महिलाओं में से एक को दी थी। थाना प्रभारी कपिल गुप्ता और टीम ने जांच शुरू की।

सिविल ड्रेस में संदिग्ध महिलाओं तक पहुंची पुलिस : पुलिस ने महिला की गरिमा का ध्यान रखते हुए डॉक्टर, नर्स और महिला पुलिसकर्मी मलेरिया जांच के बहाने सिविल ड्रेस में संदिग्ध महिलाओं के घर पहुंचे। एक महिला पर शक होने पर उसे सिविल अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सकों ने पुष्टि की कि उसने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया है। 30 वर्षीय आरोपी महिला ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। वह लंबे समय से पति से अलग अपने पिता के साथ रहती है। मजदूरी करने वाली इस महिला ने बताया कि आर्थिक तंगी और लोकलाज के कारण उसने बच्ची को फेंक दिया। पुलिस ने घटना के दिन सिविल अस्पताल के प्रसव रिकॉर्ड भी खंगाले। उस दिन अस्पताल में जन्मी चारों बच्चियां अपनी माताओं के साथ सुरक्षित मिलीं। इससे स्पष्ट हुआ कि फेंकी गई बच्ची का जन्म अस्पताल में नहीं हुआ था। वहीं घटना के बाद बुधवार को बढ़ चापड़ा गांव में ग्रामीणों ने पेसा एक्ट के तहत ग्राम सभा का आयोजन किया, जिसमें वन अधिकारियों की कार्यशैली पर कड़ा विरोध दर्ज किया गया। ग्राम सभा में प्रस्ताव पारित किया गया कि जब तक जांच टीमें कोई ठोस सबूत नहीं लातीं, तब तक उन्हें गांव में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। ग्राम सभा में यह भी आरोप लगाया गया कि पूछताछ के दौरान हिरासत में लिए गए ग्रामीणों को बंद कमरे में भूखा-प्यासा रखा गया और कुत्तों के सामने डालने जैसी धमकियां दी गईं।

महिला का सिविल अस्पताल में चल रहा इलाज : जानकारी में यह भी सामने आया कि महिला ने गर्भवती होने की सूचना न तो आंगनवाड़ी को दी और न ही अस्पताल को। उसने बच्ची को घर पर ही जन्म दिया था।टलिए डॉग स्क्वॉड की मदद भी ली है। घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।क्षेत्रों में सर्चिंग में जुटे हुए हैं।बाघ की मौत के बाद जिम्मेदारी तय करने की बजाय विभागों में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। शिकारियों की तलाश जारी, अब तक सुराग नहीं बाघ के पंजा काटकर किए गए इस शिकार की घटना को उजागर हुए एक सप्ताह बीत चुका है, लेकिन अभी तक न शिकारियों का कोई सुराग लगा है और न ही शिकार की सही जगह का पता चल पाया है। घटना वाले दिन से वह जिन घरों में काम करती थी, वहां दो दिन तक नहीं गई। लोगों को शक न हो, इस डर से तीसरे दिन काम पर भी चली गई थी। महिला लोकलाज के डर से इलाज कराने अस्पताल नहीं आई थी। वर्तमान में उसे पुलिस सुरक्षा में रखा गया है और उसका इलाज सिविल अस्पताल में चल रहा है। महिला ने बच्ची को अपने पास रखने से मना कर दिया है।

खजुराहो में ग्रामीणों ने पकड़ी अवैध शराब की खेप-दो युवक गिरफ्तार, बमीठा पुलिस कर रही पूछताछ

खजुराहो, एजेंसी। खजुराहो के बमीठा थाना क्षेत्र के पथरगुवा ग्राम में ग्रामीणों ने अवैध शराब की तस्करी करने वाले दो युवकों को पकड़ा है। युवकों के पास से दो पेटी अवैध शराब बरामद की गई है। सरपंच प्रतिनिधि विकास द्विवेदी ने बताया कि गांव में लंबे समय से अवैध शराब की बिक्री हो रही थी। इस मामले में उन्होंने एसपी, कलेक्टर, थाना प्रभारी और खजुराहो एसडीपी को कई बार शिकायत की थी।

वाहन में दो पेटी शराब लेकर गांव में घुस रहे थे आरोपी : शनिवार को बमीठा ठेके के कर्मचारी गुड्डा शिवहरे टीवीएस वाहन में दो पेटी शराब लेकर गांव में घुस कर रहे थे। ग्रामीणों ने इसकी सूचना सरपंच प्रतिनिधि को दी। मौके पर पहुंचकर उन्होंने दोनों युवकों को रोका और पुलिस को सूचित किया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया : सूचना मिलते ही बमीठा पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। आबकारी विभाग ने भी मामले का संज्ञान लिया है और जांच की बात कही है।

खरगोन में गोगावां वेदा नदी पुल के पिलर में दरार:1965 में बना था, क्षमता 10 टन, ओवरलोड ट्रकों का दबाव बढ़ा रहा खतरा

खरगोन, एजेंसी। खरगोन-सनावद मार्ग पर स्थित गोगावां के वेदा नदी पुल के पिलर में गंभीर दरार मिली है। पुल के दोनों छोर पर यह स्थिति देखी गई है। स्थानीय लोगों ने एप्रोच रोड को नुकसान और बड़े हादसे की आशंका जताई है। 1965 में निर्मित यह पुल पत्थर और चूने के मसाले से बनाया गया था। लोक निर्माण विभाग ने इस पुल की आयु 35 वर्ष और वाहन क्षमता 10 टन निर्धारित की थी। वर्तमान में यह पुल एमपीआरडीसी के अधीन है। क्षेत्र के नीलेश पाटीदार व लोगों ने बताया क्षेत्र में वेदा नदी पार करने का कोई बड़ा विकल्प मार्ग नहीं है। पुल से गुजरने वाले वाहनों में सेल्दा थर्मल प्लांट के राख से भरे ट्रक भी शामिल हैं। नियमित रूप से क्षमता से कई गुना अधिक वजन वाले वाहन इस मार्ग का उपयोग कर रहे हैं। एमपीआरडीसी के अधिकारी डीएस मुवेल ने कहा कि पुल का तकनीकी निरीक्षण कराया जाएगा। इसकी रिपोर्ट शासन-प्रशासन को भेजी जाएगी।

खंडवा में मूसलाधार बारिश, अंचल में सूखा; अगले 48 घंटे बारिश के आसार

खंडवा, एजेंसी। खंडवा में शनिवार को सुबह 10 बजे बाद अचानक मौसम बदला और तेज बारिश शुरु हो गई। धीरे-धीरे तेज बरसात मूसलाधर बारिश में बदल गई। शहर में दोपहर तक बारिश का दौर रहा, इस दौरान सड़कों पर जल-जमाव की स्थिति रहीं। वहीं बात की जाए तो ग्रामीण क्षेत्रों की बादल तो जाए रहे लेकिन बारिश नहीं हुई। हालांकि इन इलाकों में एक दिन पहले रात्रि में ही बारिश हो चुकी थी। बारिश के इन हालात पर मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि यही खंड बारिश होती हैं, कहीं पानी गिरता है तो कहीं सूखा रहता हैं। हालांकि, पूरे जिले में मानसून सक्रिय हैं। मौसम में ठंडक घुली हुई हैं। इधर, खंडवा शहर में जहां तेज बारिश होती रही, लेकिन शहर से बाहर महज दो किलोमीटर दूर रूधि गांव से लेकर बैतूल से सटे रोशनी तक मौसम साफ रहा। कहीं-कहीं बादल छाए हुए रहे लेकिन ज्यादातर जगह पर धूप भी खिली हुई थी।

अगले 48 घंटे तक बारिश के हालात बने हुए : मौसम विशेषज्ञ डॉ. सौरव गुप्ता के मुताबिक, जिले में खंड बारिश के हालात बने हुए हैं। जिले में कहीं तेज तो कहीं पर हल्की बारिश हो रही हैं। जहां आज बारिश की स्थिति नहीं हुई हैं, उन इलाकों में या तो रात में पानी गिर चुका हैं, या फिर एक दिन पहले तेज बारिश हो चुकी हैं। जिले में अगले 48 घंटे तक अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, जिले में शुक्रवार के दिन 9 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई हैं।

कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के पुराने मकान का हिस्सा ढहा, सीहोर में दो माह पहले ही खाली कराया था जर्जर भवन

सीहोर, एजेंसी। सीहोर के नमक चौराहा क्षेत्र में रविवार को एक पुराने खाली मकान का हिस्सा अचानक ढह गया। यह मकान कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा का है। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। नगर पालिका के अतिक्रमण प्रभारी तिलक खाती ने बताया कि इस मकान को दो माह पूर्व नोटिस देकर खाली करा लिया गया था। सीहोर कलेक्टर बालगुरु ने तीन माह पहले निकायों को जर्जर भवनों की पहचान कर कार्रवाई के निर्देश दिए थे। निकायों द्वारा 179 जर्जर भवनों के मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे। 1 अगस्त 2024 को जिला प्रशासन के निर्देश पर राजस्व, पुलिस और नगर पालिका की टीम ने शहर के कई जर्जर मकानों को ध्वस्त किया था। इस दौरान नगर पालिका की टीम ने 5 जर्जर मकानों को गिराया था। इसके बाद से जर्जर मकानों को तोड़ने की कार्रवाई रुक गई थी। कलेक्टर ने बारिश से प्रभावित होने वाले पुल-पुलियों की पहचान कर सुरक्षा उपाय करने के भी निर्देश दिए थे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में हारी

भारत को ब्रॉन्ज मेडल, 2022 के सीजन में भी जीता था

नईदिल्ली, एजेंसी । भारत की टॉप बैडमिंटन जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में मेंस डबल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। शनिवार रात को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में चीन के चेन बो यांग और लियू यी की जोड़ी ने 19-21, 21-18, 12-21 से हराया। मुकाबला एक घंटे सात मिनट तक चला।

ऐसे में भारतीय जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को 2022 में भी ब्रॉन्ज मेडल मिला था।

पहला गेम में दिखी कांटे की टक्कर: मैच की शुरुआत में सात्विक और चिराग ने शानदार प्रदर्शन किया। टॉस जीतकर उन्होंने पहले रिसीव करने का फैसला किया। सात्विक की सटीक सर्विस रिटर्न के साथ भारतीय जोड़ी ने पहला अंक हासिल किया। लगातार दो स्मैश

नेट में मारने की चीनी जोड़ी की गलतियों का फायदा उठाते हुए सात्विक-चिराग ने 4-0 की बढ़त बना ली। कुछ ही देर में वे 9-3 से आगे हो गए। पहले गेम के मध्यांतर में भारतीय जोड़ी 11-5 से आगे थी। लेकिन चीनी जोड़ी ने मजबूत वापसी करते हुए स्कोर 12-12 पर ला खड़ा किया और आखिरकार पहला गेम 21-19 से जीत लिया।

दूसरा गेमः सात्विक-चिराग की वापसी

दूसरे गेम में भारतीय जोड़ी ने फिर से शानदार शुरुआत की और 6-2 की बढ़त बना ली। लेकिन चीनी जोड़ी ने फिर से वापसी की और स्कोर 8-8 पर बराबर कर लिया। इसके बाद सात्विक और चिराग ने अपनी रक्षा को मजबूत किया और हर मौके का फायदा उठाकर 15-11 की बढ़त हासिल की। चीनी जोड़ी ने एक बार फिर 17-17 पर स्कोर बराबर किया, लेकिन सात्विक-चिराग ने शानदार खेल दिखाते हुए गेम को 21-18 से अपने नाम किया।

तीसरा गेमः चीनी जोड़ी का दबदबा

निर्णायक गेम में सात्विक-चिराग की शुरुआत अच्छी नहीं रही और वे जल्द ही 0-6 से पीछे हो गए और लगातार 9 अंक गंवा दिए। हालांकि बाद में कुछ अंक हासिल किए, लेकिन बड़ी बढ़त बना चुकी चीनी जोड़ी को रोक पाना मुश्किल था। आखिरकार चेन-लियू ने 21-12 से गेम और मैच जीतकर फाइनल में जगह बना ली।

हॉकी एशिया कप में भारत-जापान मैच

तीसरे क्वार्टर के बाद इंडिया 3-1 से आगे

राजगीर, एजेंसी । एशिया कप हॉकी का 8वां मैच भारत और जापान के बीच राजगीर में खेला जा रहा था। चौथे क्वार्टर का खेल जारी है। फिलहाल, भारत 3-1 से आगे थी। भारत के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 2 गोल किए थे। उन्होंने 5वें और 45वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा। मैच के तीसरे मिनट में मंदीप सिंह ने भारत के लिए पहला फील्ड गोल किया था। 36वें मिनट में जापान के लिए कावाबे कोसेई ने गोल किया था। पिछले मुकाबले में कजाकिस्तान को 13-1 से हराने वाली चीन पूल ए के टॉप पर है। जापान दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। इस पूल से टॉप-2 टीमें अगले दौर में प्रवेश करेंगी। भारतीय टीम ने पहले मुकाबले में चीन पर 4-3 की जीत दर्ज की थी। जापान ने कजाकिस्तान को 7-0 से हराया था। कृष्ण बहादुर 150वां मैच खेल रहे हैं। इस मौके पर भारत के हेड कोच क्रेग फुल्टन ने उन्हें स्पेशल जर्सी दी।

दोनों टीमों की स्टार्टिंग-इलेवन

भारत- हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अभिषेक, मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, मंदीप सिंह, कृष्ण बहादुर पाठक (गोलकीपर), हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), सुमित, अमित रोहिदास, सुर्खजीत सिंह, संजय, राजिंदर सिंह।

सब्स्टिट्यूट्स- दिलप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, राज कुमार पाल, जुगराज सिंह, विवेक सागर प्रसाद, सूरज करकेरा (गोलकीपर), शिलानंद लाकड़ा।

जापान- फुजीशिमा राइकी (कप्तान), यामासाकी कोजी, यामादा शोटा, हिगुची यूटो, कावाहारा यामातो, तानाका सेरेन, मात्सुमोतो काजुमासा, यामाशिता मनाबु, नागायोशी केन, कावाबे कोसेई, योशिकावा ताकाशी (गोलकीपर)।

सब्स्टिट्यूट्स- किमुरा नारू, तानाका कैटो, कावामुरा युसुके, कुरोदा किशो (गोलकीपर), वातानाबे केइता, शिनोहारा रयोसुके, यामादा होता।

पाकिस्तान की टी-20 ट्राई सीरीज में लगातार दूसरी जीत

यूएई को 31 रन से हराया; सईम अयूब और हसन नवाज ने अर्धशतक लगाए

यूएई, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने यूएई में खेले जा रही टी-20 ट्राई सीरीज में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को यूएई को 31 रन से हराया। इससे पहले शुक्रवार को अफगानिस्तान को हराया था। पाकिस्तान के लिए सईम अय्यूब (69 रन) और हसन नवाज (56 रन) ने अर्धशतक लगाए। इनके अलावा, फहीम अशरफ और हसन अली ने भी तेज पारियां खेलते हुए पाकिस्तान का स्कोर 207 रन तक पहुंचा दिया, जो टीम का टी-20 में तीसरा सबसे बड़ा स्कोर है। यूएई की ओर से आसिफ खान ने 35 गेंदों में 77 रनों की तूफानी पारी खेली, लेकिन यह जीत के लिए काफी नहीं थी।

पाकिस्तान की शुरुआत खराबः टॉस जीतकर पाक कप्तान सलमान आगा ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और ओपनर साहिबजादा फरहान जल्दी ही वापस लौट गए। इसके बाद फखर जमान भी अपना विकेट महज 6 रन बनाकर गंवा बैठे। कप्तान सलमान भी 5 रन ही बना सके। वहीं, सईम अयूब ने एक छोर को संभाले रखा और अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने महज 25 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और 38 गेंदों में 69 रन की पारी खेलकर टीम को मुश्किल से निकाला। इस पारी में चार छक्के और सात चौके शामिल रहे।

अयूब को दूसरी तरफ से हसन नवाज का साथ मिला। नवाज ने महज 26 गेंदों में 56 रन बनाएं। नवाज ने अपनी पारी में 2 चौके लगाया और छह सिक्स भी जड़े। दोनों के बीच 5वें विकेट के लिए 25 बॉल पर 57 रन की साझेदारी हुई। लोअर ऑर्डर में मोहम्मद नवाज (25 रन), फहीम अशरफ (16 रन) और हसन अली (9 रन) ने अंतिम चार ओवरों में 45 रन जोड़कर स्कोर को 207 तक पहुंचाया।

यूएई के लिए आसिफ खान ने 77 रन की पारी खेलीः टारगेट का पीछा करने उतरी यूएई टीम के लिए आसिफ खान ने 35 गेंदों में 77 रन की शानदार पारी खेली। लेकिन यह टीम की जीत के लिए काफी नहीं था। हालांकि टीम के कप्तान मुहम्मद वसीम ने भी 18 गेंदों में 33 रनों की तेज पारी खेली। उन्होंने टीम को अच्छी शुरुआत दी और यूएई ने पावरप्ले में 33 रन बनाए। उधर पाकिस्तान के लिए हसन अली और मोहम्मद नवाज ने मिलकर आधी टीम को पवेलियन भेजा और पाकिस्तान की जीत पक्की कर दी। हसन ने 3 जबकि नवाज ने 2 विकेट लिए।

अक्षर पटेल से छिनेगी दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी !

इन प्लेयर्स में किसी को मिल सकता है मौका

नईदिल्ली, एजेंसी । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में बदलावों का दौर चल रहा है। ट्रेड विंडो के तहत कई तरह की बातचीत और कुछ बड़े कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं अब दिल्ली कैपिटल्स में अक्षर पटेल को कप्तानी से हटाने की खबरे सामने आई हैं। एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली कैपिटल्स आईपीएल 2026 से पहले एक नए कप्तान पर विचार कर रही है। इससे टीम में केएल राहुल या फाफ डु प्लेसिस जैसे वरिष्ठ खिलाड़ियों के लिए भूमिका खुल जाती है। फिलहाल फ्रैंचाइजी की ओर से कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

डीसी कप्तानी के लिए 3 सर्वश्रेष्ठ दावेदार : फाफ डु प्लेसिस - फाफ डु प्लेसिस का नाम इस भूमिका के लिए दूसरे सबसे अच्छे उम्मीदवार के रूप में सामने आता है। दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज ने अपनी राष्ट्रीय टीम के अलावा दुनिया भर की विभिन्न लीगों में कई फ्रैंचाइजी का नेतृत्व किया है। अनुभव की बात करें तो डु प्लेसिस के पास इसकी कोई कमी नहीं है और वह टीम को इतिहास के अब तक के सर्वश्रेष्ठ सीजन तक ले जा सकते हैं।

केएल राहुल : भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल टीम के सबसे वरिष्ठ सदस्यों में से एक हैं। आईपीएल 2025 में वह उनकी बल्लेबाजी का अहम हिस्सा थे। टीम में राहुल के महत्व और फ्रैंचाइजी तथा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव होने के कारण, यह भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प लग रहा है।

ट्रिस्टन स्टब्स : दक्षिण अफ्रीकी युवा खिलाड़ी आईपीएल 2025 के दौरान दिल्ली कैपिटल्स टीम के सबसे महत्वपूर्ण बल्लेबाजों में से एक थे। ट्रिस्टन स्टब्स कैपिटल्स के लिए एक दीर्घकालिक निवेश प्रतीत होते हैं। आगे चलकर कैपिटल्स उन्हें एक लीडर के रूप में प्रोजेक्ट कर सकते हैं और उनके इर्द-गिर्द टीम बना सकते हैं।

दानिल मेदवेदेव कोर्ट पर फोटोग्राफर के आने से गुस्साए

रैकेट भी तोड़ा, लगा 42500 डॉलर का भारी जुर्माना

न्यूयॉर्क, एजेंसी । अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मिली हार के बीच कोर्ट पर एक फोटोग्राफर के आने पर अपना गुस्सा उतारने वाले रूस के मेदवेदेव पर उनकी मैच फीस 110000 डॉलर का एक तिहाई से भी अधिक 42500 डॉलर जुर्माना लगाया गया है। टूर्नामेंट रैफरी जैक गार्नर ने खेल भावना के विपरीत आचरण पर मेदवेदेव पर 30000 डॉलर और रैकेट तोड़ने पर 12500 डॉलर जुर्माना लगाया। मैच खत्म होने के बाद मेदवेदेव ने अपना रैकेट तोड़ दिया था। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी रह चुके मेदवेदेव उस समय नाराज हो गए जब चेयर अंपायर ग्रेग एलेंसवर्थ ने फोटोग्राफर द्वारा बाधा पहुंचाये जाने के बाद विरोधी खिलाड़ी बेंजामिन बोंजी को पहले सर्विस की अनुमति दे दी। बोंजी उस समय तीसरे सेट में 5.4 से आगे थे जब एक फोटोग्राफर कोर्ट के साइड में चलने लगा। बाद में उसकी मान्यता रद्द कर दी गई। चेयर अंपायर ने फोटोग्राफर को बाहर जाने के लिए कहा और उसके बाद बोंजी को फिर सर्विस दे दी।

वेसली सो बने 2025 सिंकीफील्ड कप चैंपियन, प्रज्ञानन्दा पहुँचे ग्रांड चैस टूर फाइनल में

सेंट लुईस, अमेरिका, एजेंसी । अमेरिकी ग्रांडमास्टर वेसली सो नें नौ साल बाद सिंकीफील्ड कप का खिताब अपने नाम कर लिया। 2025 का यह खिताब उन्होने रोमांचक प्लेऑफ़ में जीतकर हासिल किया। अंतिम नौवें राउंड में वेसली नें उज़्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को हराया और 5.5/9 अंक बनाते हुए प्रज्ञानन्दा व करूआना के साथ संयुक्त बढ़त बनाई।इससे पहले उन्होने 2016 में अंतिम बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता था।

नियमों के अनुसार विजेता तय करने के लिए तीनों खिलाड़ियों के बीच 5'+2'' समय नियंत्रण के प्लेऑफ़ खेले गए। पहले प्रज्ञानन्दा नें करूआना को मात दी। फिर वेसली सो नें प्रज्ञानन्दा को पराजित किया। अंतिम मुकाबले में वेसली और करूआना के बीच ड्रॉ हुआ और वेसली 1.5/2 अंक बनाकर चैंपियन बने। प्रज्ञानन्दा 1 अंक लेकर उपविजेता और करूआना 0.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे।

इससे पहले अंतिम राउंड में भारत के प्रज्ञानन्दा नें लेवोन आरोनियन से ड्रॉ खेला तो विश्व चैंपियन डी गुकेश और करूआना का मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। अन्य खेलों में जान डूडा-मैक्सिम वाशिए लाग्राव और अलीरेजा फिरौजा-सैमुअल सेवियन भी अनिर्णीत रहे। वेसली सो ने जीत के बाद कहा यह नौ साल बाद मेरी दूसरी सिंकीफील्ड कप जीत है। सौभाग्य से यह दस साल नहीं हुआ। इस कठिन वर्ष में यह खिताब मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैं अपनी मां और इंग्लैंड के ग्रांडमास्टर गवेन जोन्स को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिनकी पुस्तक से मुझे आज का ओपनिंग आईडिया मिला। अब ग्रांड चेस टूर फाइनल्स साओ पाओलो (ब्राज़ील) में 27 सितंबर से 3 अक्टूबर तक होंगे, जिसमें भारत के प्रज्ञानन्दा, करूआना, वाशिए-लाग्राव और आरोनियन शामिल होंगे।

24 घंटे बाद भी नहीं बिके भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट

दुबई, एजेंसी । किसी भी क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट सबसे जल्दी बिक जाते हैं। लेकिन, 14 सितंबर को एशिया कप में होने वाले भारत-पाक मुकाबले के टिकट बिक्री की शुरुआत के 24 घंटे बाद भी बचे हुए हैं। कारण है, टिकट बिक्री का पैकेज सिस्टम। भारत-पाकिस्तान मैच के टिकट खरीदने के लिए दर्शकों को 7 मैचों का पैकेज लेना पड़ रहा है। सबसे सस्ता पैकेज 33 हजार 600 रुपए का है। जबकि बैंड लाउंज पैकेज की कीमत 3 लाख 12 हजार रुपए है।

फैंस को 7 मैचों का पैकेज लेना पड़ रहा, कीमत 33 हजार से 3 लाख तक

क्या है 7 मैचों का पैकेजः इस बार 7 मैच के पैकेज में भारत-यूएई, भारत-पाकिस्तान, बी1-बी2, ए1-ए2-ए1-बी2,ए1-बी1 और फाइनल मैच शामिल हैं। यानी बाकी मुकाबलों की तुलना में भारत-पाक मैच देखने के लिए दर्शकों को ज्यादा खर्च करना पड़ रहा है। आयोजक भारत-पाक मैच के जरिए अन्य मैचों में भी दर्शकों को आकर्षित करना चाह रहे हैं, इसलिए उन्होंने यह पैकेज सिस्टम लागू किया है। एशिया कप में कुल 12 ग्रुप मैच होने हैं। इनमें से 11 मैचों के टिकट आम तौर पर 1200 रुपए (जनरल) से लेकर 12 हजार रुपए (ग्रैंड लाउंज) तक उपलब्ध हैं।

फैंस बोले- टिकट पैकेज देखकर निराशा हुईः भारतीय फैन रविकांत का कहना है कि उनके ऑफिस में कई लोग महंगे पैकेज की वजह से टिकट नहीं ले पाए। फैंस उम्मीद कर रहे हैं कि मैच के करीब आते-आते सिर्फ भारत-पाक मैच का टिकट भी उपलब्ध कराया जाएगा। वहीं, पाकिस्तानी प्रशंसक हसन अब्बास ने बताया कि टिकट पैकेज देखकर पहले निराशा हुई, लेकिन क्वालिफायर और फाइनल समेत 7 मैचों की डील खराब नहीं है।

थप्पड़ कांड के वीडियो पर भड़कीं श्रीसंत की पत्नी

बोलीं- ललित मोदी-क्लार्क को शर्म आनी चाहिए, दोनों खिलाड़ी अब आगे बढ़ चुके

जालंधर, एजेंसी । पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह और एस. श्रीसंत का थप्पड़ कांड 17 साल बाद फिर सुर्खियों में है। आईपीएल के पूर्व चेयरमैन ललित मोदी ने हरभजन सिंह का श्रीसंत को थप्पड़ मारते का वीडियो जारी किया। इस पर श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ललित मोदी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क पर भड़की हैं। उन्होंने कहा कि ललित मोदी और माइकल क्लार्क को शर्मा आनी चाहिए। 2008 की घटना को घसीटकर पुराने जख्म कुरेद रहे हैं। बता दें कि आईपीएल के पहले सीजन में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) के बीच खेले गए मैच में यह घटना घटी थी। ललित मोदी ने पहली बार यह फुटेज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट में दिखाया है। ललित मोदी ने कहा कि यह वीडियो पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुआ था।

श्रीसंत की पत्नी की 3 अहम बातें: ललित मोदी और क्लार्क को शर्म आनी चाहिए-श्रीसंत की पत्नी भुवनेश्वरी ने इंस्टाग्राम

पर स्टोरी पर लिखा- ललित मोदी और माइकल क्लार्क को शर्म आनी चाहिए। आप लोग इंसान नहीं हैं। सस्ती लोकप्रियता पाने के लिए 2008 की घटना को घसीट रहे हैं। श्रीसंत और हरभजन आगे बढ़ चुके हैं- भुवनेश्वरी ने आगे लिखा- श्रीसंत और हरभजन पहले ही इससे आगे बढ़ चुके हैं। दोनों ही अब स्कूल गोइंग बच्चों के पिता हैं। इसके बाद भी आप लोग उन्हें पुराने दिनों में घसीट रहे हैं। यह बेहद ही घिनौना, निर्दयी और अमानवीय है।

हमारे परिवार के लिए दुखद- भुवनेश्वरी ने लिखा, श्रीसंत ने कठिन चुनौतियों का सामना करने के बाद अपनी लाइफ को फिर से बनाया है। उनकी पत्नी और बच्चों की मां होने के नाते 18 साल बाद इस घटना को देखना हमारी फैमिली के लिए दुखद है। परिवार को उस सदमे को फिर से जीने के लिए मजबूर किया जा रहा है, जो सालों पहले दफन हो चुका है। ऐसा इसलिए किया जा रहा ताकि आप लोग नजरों में बने रहें। सिक्योरिटी कैमरे में घटना कैद हुई- माइकल क्लार्क के पॉडकास्ट में ललित मोदी ने कहा, मैं तुम्हें बताता हूं कि क्या हुआ था। मैं तुम्हें वीडियो दूंगा। मैंने उसे संभाल कर रखा है। मैच खत्म हो चुका था, कैमरे बंद कर दिए गए थे। लेकिन मेरे एक सिक्योरिटी कैमरे ने घटना को कैद कर लिया था। उसमें साफ दिख रहा है कि भज्जी (हरभजन) ने श्रीसंत को बैक-हैंड यानी थप्पड़ मारा।

हरभजन ने कहा- इधर आओ और उल्टा थप्पड़ जड़ दिया- मोदी ने आगे कहा- भज्जी मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं। मैं उन्हें बहुत पसंद करता हूं। यह मैदान पर हुआ था और मैं वहां था। जैसे ही टीमों ने खेलना बंद किया। खिलाड़ी एक-दूसरे से हाथ मिला रहे थे और हाई-फाइव कर रहे थे। जब बात श्रीसंत और भज्जी की आई तो हरभजन ने उनसे कहा, इधर आओ और उन्हें एक उल्टा थप्पड़ जड़ा।

आजीवन प्रतिबंध लगाना चाहते थे अधिकारी- ललित मोदी ने कहा, मैंने हरभजन को आजीवन प्रतिबंध से बचाया। अधिकारियों का एक वर्ग यह भी चाहता था कि अनुभवी ऑफ स्पिनर पर आजीवन प्रतिबंध लगा दिया जाए। मैंने उन दोनों को बैठाया और मीटिंग में ही भज्जी को सजा देनी पड़ी। मैंने उसे आठ मैचों के लिए सजा दी।

हार के बाद श्रीसंत पर भड़के थे हरभजनः 25 अप्रैल, 2008 को मोहाली में पंजाब के हाथों मुंबई इंडियंस की 66 रनों से हार के बाद हरभजन-श्रीसंत थप्पड़ कांड हुआ था। मैच के बाद दोनों टीमें हाथ मिला रही थीं। बाद में पता चला कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हरभजन उस करारी हार के बाद श्रीसंत के हंसने और टिप्पणी करने से भड़क गए थे। श्रीसंत ने कहा था, हार्ड लक।

प्रभारी सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह ने ली बाढ़ आपदा प्रबंधन की बैठक

क्षति का आंकलन कर प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता राशि करें जारी- सचिव कमलप्रीत सिंह

जगदलपुर, एजेंसी। सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों का सर्वेक्षण एवं क्षति का आंकलन शीघ्र पूरा किया जाए और प्रभावितों को तत्काल आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाए।प्रशासन की प्राथमिकता है कि कोई भी प्रभावित परिवार राहत और सहायता से वंचित न रहे। बस्तर जिले के प्रभारी सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने शनिवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं पुनर्वास कार्यों की जानकारी ली और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। डॉ. सिंह ने कहा कि पूर्णतः मकान क्षति के प्रकरणों में आर बी सी 6-4 के तहत त्वरित कार्यवाही करते हुए आगामी दो दिनों में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। प्रभावितों को बॉस बल्ली का वितरण करें ताकि मकान बनाने के लिए सहयोग हो। इसके अलावा फसल हानि का सर्वे करने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन की व्यवस्था लगातार करें और उचित मूल्य की दुकानों में राशन की अतिरिक्त आबंटन कर उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए। साथ ही स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था और मेडिकल कैंप स्थापित कर लोगों को आवश्यक उपचार एवं दवाइयाँ उपलब्ध करवाई जाए। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में उल्टी दस्त और स्वच्छता संबंधी बीमारियों की संभावना बनी रहती है इस हेतु कार्य योजना बनाकर एक माह तक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जाए। उन्होंने क्षतिग्रस्त सड़कों और पुल पुलिया का समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के सड़क से बारह मासी आवागमन सुचारू रहे, विशेषकर सुकमा,दंतेवाड़ा-बीजापुर जिलों से होकर गुज़रने वाले सड़क हमेशा कनेक्ट रहना चाहिए। बाढ़ से प्रभावित सड़को के कटे हुए हिस्से को तत्काल दुरुस्त करवाएं, साथ ही बहाव क्षेत्र के सड़कों का स्थाई समाधान किया जाए। साथ ही निर्माण कार्य के साथ प्रोटेक्शन वर्क को भी जोड़कर प्रस्ताव तैयार करें। बाधित विद्युत व्यवस्था वाले गाँव में भी रिस्टालेशन की प्रक्रिया को जल्द पूरा करें, पीएचई विभाग को पेयजल आपूर्ति बनाए रखने तथा जल शुद्धिकरण करने के निर्देश दिए। सचिव डॉ सिंह ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का चिन्हांकन कर रखें ताकि भविष्य की तैयारी कर रखें।अर्ली मॉनिटरिंग की व्यवस्था को सक्रिय किया जाए ताकि बारिश से पहले प्रभावित इलाकों के सरपंच- ग्राम सचिव के माध्यम से ग्रामीणों को सचेत किया जाए और सुरक्षित इलाकों में पहुंचाया जा सके। इस अवसर पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह ने कहा कि हमे बाढ़ प्रभावितों के लिए संवेदनशील होकर राहत और आरबीसी 6-4 के प्रकरण तैयार कर कार्य करने की ज़रूरत है। सभी प्रभावित अनुभागों द्वारा इस कार्य को प्राथमिकता से किया जाए और भी अधिकारी फील्ड में लगातार निगरानी रखकर समस्याओं का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करें। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा,जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर श्री प्रतीक जैन,वन मंडलाधिकारी श्री उत्तम गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता श्री जी आर रावटे, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल, ऋषिकेश तिवारी, आयुक्त नगर निगम श्री प्रवीण वर्मा सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव द्वारा केशकाल मुख्य सड़क के गम्भीर जानलेवा गड्डो के संबंध में संज्ञान लिया गया

कोण्डागांव, एजेंसी। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव किरण चतुर्वेदी के द्वारा जनपद पंचायत केशकाल से व्यवहार न्यायालय केशकाल के मेन रोड में जानलेवा गड्ढ़े, जलजमाव और क्षतिग्रस्त डामर के कारण आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं सड़क के गडढे गम्भीर घटना, दुर्घटना को आंमत्रित कर रहे हैं। जबकि राष्ट्रीय राजमार्ग होकर मुख्य सड़क पर जनपद पंचायत, बस स्टैण्ड एवं स्कूल तथा सबसे महत्वपूर्ण सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैसे सार्वजनिक स्थान स्थित है। जहां से प्रतिदिन स्कूल जाने वाले बच्चें, न्यायालयों में पक्षकारों एवं अस्पताल के गम्भीर मरीज सहित आम जनता का आना जाना लगा रहता है। लम्बी अवधि से उक्त मार्ग की मरम्मत व देख रेख के संबंध में शासन प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही की जा रही हो, यह दर्शित नहीं हो रहा है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव ने केशकाल रोड के गम्भीर एवं जानलेवा गड्डों के संबंध में स्वयं संज्ञान लेकर जिलाधीश /जिला दण्डाधिकारी एवं संबंधित कार्यपालक दण्डाधिकारी से गम्भीर घटना दुर्घटना को आंमत्रित करने वाली गड्डों से भरी हुई मुख्य सड़क को सुगम परिवहन योग्य नहीं बनाए जाने के संबंध में गम्भीरता से कार्यवाही क्यों नहीं की जा रहा है। इस संबंध में जनपद पंचायत कार्यालय से व्यवहार न्यायालय केशकाल के मुख्य मार्ग को सुगम यातायात योग्य करने की कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही है, इस संबंध में संबंधित विभाग से दिनांक 04.09.2025 तक विस्तृत जानकारी प्रतिवेदन मंगाए जाने हेतु सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कोण्डागांव को निर्देशित किया गया है।

सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता, विजेता टीमें संभाग स्तर पर करेंगी प्रतिनिधित्व

सुकमा, एजेंसी। कलेक्टर एवं जिला सड़क सुरक्षा समिति अध्यक्ष देवेश कुमार ध्रुव के मार्गदर्शन और राज्य साक्षरता मिशन के निर्देशानुसार जिले में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषयक जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को स्वामी विवेकानंद बहुउद्देश्यीय सभागार सुकमा में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में विकासखंड स्तर पर चयनित टीमों ने भाग लिया। डीएवी स्कूल रोकेल की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सुकमा को द्वितीय तथा डीएवी स्कूल सुकमा को तृतीय स्थान मिला। विजेता टीमों को क्रमशः ?7000, ?5000 और ?3000 तथा शेष प्रतिभागी टीमों को ?2000-2000 सांत्वना पुरस्कार प्रदान किए गए। विजेताओं को जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.आर. मंडावी एवं जिला मिशन समन्वयक श्री उमाशंकर तिवारी ने पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिले से चयनित टीमें अब 6 सितम्बर को संभाग स्तरीय और तत्पश्चात 13 सितम्बर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। राज्य स्तर पर प्रथम स्थान विजेता टीम को ?35,000, द्वितीय को ?25,000 और तृतीय को ?20,000 का पुरस्कार मिलेगा। सभी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के अधिकारी, निर्णायक मंडल और अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता सम्पन्न

जगदलपुर, एजेंसी। जिला साक्षरता मिशन कार्यक्रम प्राधिकरण जिला बस्तर के तत्वावधान में शनिवार को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 2 में सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर जिला स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में जिले के सभी विकासखंडों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और सड़क सुरक्षा को लेकर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में महापौर संजय पाण्डे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, एमआईसी सदस्य सुरेश गुप्ता, लक्ष्मण झा, कलावती कसेर, डीएसपी यातायात संतोष जैन, सुशंता लकड़ा, अखिलेश मिश्रा, राकेश सर, शिक्षा विभाग, यातायात विभाग, निर्णायकगण, शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जगदलपुर विकासखंड, द्वितीय स्थान बस्तर विकासखंड एवं तृतीय स्थान तोकापाल विकासखंड ने प्राप्त किया।विजेता टीमों को क्रमशः 7000, 5000 और 3000 रुपये का नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। इसके अलावा पाँच विकासखंडों को सांत्वना पुरस्कार दिए गए। जिला साक्षरता मिशन प्राधिकरण की ओर से बताया गया कि प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम अब संभाग स्तरीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में जिला बस्तर का प्रतिनिधित्व करेंगी।

आज दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम में गूंज उठेगी बिहान दीदियों की सफलता

जगदलपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के तहत किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यो, उपलब्धियों और सफलता की कहानियों को साझा करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय रेडियो कार्यक्रम दीदी के गोठ का कल रविवार 31 अगस्त को शुभारंभ किया जा रहा है। इस विशेष श्रृंखला का पहला प्रसारण 31 अगस्त को दोपहर 12.15 बजे आकाशवाणी के सभी केंद्रों से होगा। कार्यक्रम के पहले प्रसारण में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा उप मुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री श्री विजय शर्मा प्रदेश भर की बिहान दीदियों को संबोधित करेंगे। इस दौरान स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं अपनी प्रेरणादायी सफलता की कहानियां साझा करेंगी, जो अन्य समूहों के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। दीदी के गोठ के माध्यम से बिहान से जुड़ी महिलाओं के कार्यो, उनकी उपलब्धियों तथा आजीविका संवर्धन के लिए किए जा रहे नवोन्मेषी गतिविधियों की जानकारी प्रदेशभर में पहुंचाई जाएगी। यह पहल न केवल स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को प्रोत्साहित करेगी, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में और अधिक सशक्त बनाने का माध्यम भी बनेगी। जिले में यह कार्यक्रम जिला पंचायत और समस्त जनपद पंचायतों सहित सभी 28 संकुलों में प्रसारित होगा, जहां समूह की महिलाएं एकत्र होकर इस प्रसारण को सुनेंगी और प्रेरणा प्राप्त करेंगी। सीईओ जिला पंचायत एवं प्रभारी कलेक्टर श्री प्रतीक जैन द्वारा दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार कर उक्त कार्यक्रम में स्व-सहायता समूहों की दीदियों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित किए जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। वहीं उक्त कार्यक्रम में जिले के स्व-सहायता समूहों की ज्यादा से ज्यादा दीदियों को उपस्थित होने का आग्रह किया गया है।

महिला स्व सहायता समूह के हाथों हरियाली की जिम्मेदारी

पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का संगम

जगदलपुर, एजेंसी। नगर निगम ने एक ऐसी अनोखी पहल शुरू की है, जो न केवल शहर की हरियाली को संरक्षित करेगी बल्कि महिलाओं की भागीदारी को भी नई दिशा देगी। वुमन फॉर ट्री अभियान अमृत मित्र योजना के अंतर्गत शुरू किया गया शहर में पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का अद्भुत मेल साबित हो रहा है।

इंद्रावती नदी किनारे प्रवीर वार्ड के पुराने पुल क्षेत्र में आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में सभी शामिल हुए। इस अभियान की सबसे विशेष बात यह रही कि लगाए गए पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी महिला स्व-सहायता समूहों को सौंपी गई है। नगर निगम ने इसके लिए ट्री गार्ड भी उपलब्ध कराए हैं, ताकि पौधे सुरक्षित रह सकें और इनकी हरियाली लंबे समय तक कायम रहे।

हर महिला बनेगी हरियाली की प्रहरी: कार्यक्रम के तहत तय किया गया है कि प्रत्येक स्थान पर 300 पौधे लगाए जाएंगे। महिला स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष और सदस्य मिलकर इन पौधों की देखभाल करेंगी। विशेष व्यवस्था के अंतर्गत तीन महिलाएं मिलकर 100-100 पौधों की जिम्मेदारी निभाएंगी। यानी अब शहर की हरियाली की परवरिश महिलाओं के हाथों में होगी। शहर के तीन प्रमुख स्थानों महाराणा प्रताप वार्ड (पुराना डंपिंग यार्ड), कृष्ण कुंज और इंद्रावती नदी किनारे– कुल 900 पौधे लगाने का लक्ष्य तय किया गया है। यह सिर्फ पौधारोपण नहीं बल्कि महिलाओं को जिम्मेदारी और आत्मनिर्भरता के नए मार्ग पर ले जाने का प्रयास है। इस अवसर पर महापौर संजय पांडे, नगर निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, आयुक्त प्रवीण कुमार वर्मा, एमआईसी सदस्य, पार्षदगण, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर सहित जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे। सभी ने यह संकल्प लिया कि पौधे सिर्फ लगाए ही नहीं जाएंगे, बल्कि उनकी देखभाल भी सुनिश्चित की जाएगी। महापौर संजय पाण्डे ने कहा यह पहल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अक्सर पौधारोपण कार्यक्रम सिर्फ एक औपचारिकता बनकर रह जाते हैं। पेड़ लग जाते हैं लेकिन उनकी देखभाल न होने से वे सूख जाते हैं।

रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को प्रोत्साहित करने उप मुख्यमंत्री ने डीएमएफ से एक करोड़ रुपए देने की

रायपुर, एजेंसी। उप मुख्यमंत्री तथा कोरबा जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज छत्तीसगढ़ में रेशम उत्पादन को बढ़ावा देने रेशम कृषि मेला-सह-मेरा रेशम, मेरा अभिमान का शुभारंभ किया। उन्होंने कार्यक्रम में रेशम उत्पादक किसानों को चेक और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। अपने उद्बोधन में श्री साव ने कहा कि मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को आधुनिक मशीनों के संबंध में जानकारी प्रदान करना, प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर हुए रेशम उत्पादन से जोड़ना ही नहीं है, बल्कि आमदनी बढ़ाना, आत्मनिर्भर बनाकर प्रदेश और देश को आर्थिक प्रगति की राह में आगे ले जाना भी है। अभी रेशम उत्पादन में छत्तीसगढ़ देश में दूसरे नंबर पर है, इसे पहले पायदान पर लेकर जाना है। श्री साव ने इस आयोजन को मील का पत्थर बताते हुए इसमें सभी की सहभागिता को आवश्यक बताया। उन्होंने किसानों के प्रशिक्षण तथा मेरा रेशम, मेरा अभिमान कार्यक्रम की प्रगति के लिए जिला खनिज संस्थान न्यास से एक करोड़ रुपए देने की घोषणा की।

कोरबा के पाली विकासखंड में केंद्रीय रेशम बोर्ड- बुनियादी बीज का प्रगुणन एवं प्रशिक्षण केन्द्र में केरेबो-बुनियादी टसर रेशम कीट बीज संगठन, केन्द्रीय रेशम बोर्ड, वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार बिलासपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री श्री साव ने रेशम उत्पादन को आमदनी का प्रमुख स्रोत बताते हुए कहा कि किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए इस तरह के कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। किसान जितने सक्षम होते जाएंगे, हमारा प्रदेश और देश भी उतना ही सक्षम होगा। इस अभियान से किसानों को प्रशिक्षण की सुविधा मिलने के साथ ही रेशम उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। श्री साव ने रेशम उत्पादन में आने वाली बाधाओं को दूर करने की बात कही। इसके लिए रेशम विभाग से जुड़े अधिकारियों को कार्यालय आकर समस्याओं को चिन्हित कराने को कहा। उप मुख्यमंत्री श्री साव और अन्य अतिथियों ने मेरा रेशम, मेरा अभिमान के पोस्टर का विमोचन भी किया। उन्होंने रेशम कृषि मेले में लगे स्टॉल्स का अवलोकन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कटघोरा विधायक श्री प्रेमचंद पटेल ने कहा कि हमारे जिले में बड़ी मात्रा में रेशम का उत्पादन होता है। यह रेशम कीमती होने के साथ ही किसानों के आय का प्रमुख जरिया भी है। रेशम उत्पादन से बहुत से लोगों को रोजगार भी मिला है। प्रधानमंत्री की मंशा है कि किसानों की आमदनी भी दोगुनी हो, ऐसे में स्थानीय किसानों को इससे जुड़कर आमदनी अर्जित करना होगा। पाली-तानाखार के विधायक श्री तुलेश्वर सिंह मरकाम ने कहा कि कोरबा की पहचान पहले से ही रेशम के पटल पर विश्व विख्यात है। यहाँ से बड़ी संख्या में किसान जुड़े हुए हैं। मेरा रेशम, मेरा अभिमान स्थानीय किसानों के लिए लाभदायक होगा। कोरबा के कलेक्टर श्री अजीत वसन्त, केंद्रीय रेशम बोर्ड रांची के निदेशक डॉ. एन.बी. चौधरी, बिलासपुर के डॉ. नरेन्द्र कुमार भाटिया, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह कंवर, महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत, नगर पंचायत पाली के अध्यक्ष श्री अजय जायसवाल, पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धार्थ तिवारी, डीएफओ श्री कुमार निशांत, रेशम विभाग के श्री सी.एस. नोन्हारे, डॉ. जयप्रकाश पाण्डेय, डॉ. हसनसाब नदाफ, डॉ. विनोद सिंह, श्री बलभद्र सिंह भंडारी और कृषि महाविद्यालय अनुसंधान केन्द्र कटघोरा के डॉ. एस.एस.पोर्ते सहित रेशम विभाग से जुड़े वैज्ञानिक एवं अधिकारी, जनप्रतिनिधि श्री गोपाल मोदी, डॉ. राजीव सिंह तथा आम नागरिकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मरीजों की सुविधा सर्वोपरि : प्रभारी सचिव और कलेक्टर ने जिला अस्पताल का लिया जायजा

कुपोषण से लेकर इलाज तक, हर व्यवस्था दुरुस्त करने प्रशासन सक्रिय

सुकमा, एजेंसी। जिले के प्रभारी सचिव श्री श्यामलाल धावड़े ने शनिवार को जिला चिकित्सालय सुकमा का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उनके साथ कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव भी उपस्थित रहे। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेना और मरीजों को और बेहतर सेवाएँ सुनिश्चित करना रहा।

निरीक्षण के दौरान प्रभारी सचिव एवं कलेक्टर ने ओपीडी, जनरल वार्ड, एमसीएच बिल्डिंग, ब्लड बैंक और पोषण पुनर्वास केंद्र का बारीकी से अवलोकन किया। इस दौरान

उन्होंने मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों, उपचार व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने सामान्य वार्ड में भर्ती मरीज से बातचीत कर स्वास्थ्य केंद्र में मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने उनसे वार्ड में नियमित भोजन और फ्री में दवा मिलने के बारे में पूछताछ की। प्रभारी सचिव ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई, पेयजल और बिजली की व्यवस्था पूर्णतः दुरुस्त रखी जाए। मरीजों को किसी भी स्तर पर दवाइयों की कमी न हो। खराब मशीनों की तत्काल मरम्मत कराई जाए तथा आवश्यक नए उपकरणों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। प्रभारी सचिव श्री धावड़े ने विशेष रूप से पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण कर कुपोषित बच्चों को नियमित रूप से भर्ती करने और उनके पोषण एवं देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। साथ ही, अस्पताल परिसर में शौचालयों की नियमित सफाई एवं मूलभूत सुविधाओं की शत-प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। निरीक्षण के दौरान जिला सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर, सीएमएचओ डॉ. आर.के. सिंह, सिविल सर्जन डॉ. एम.आर. कश्यप सहित अस्पताल के वरिष्ठ अधिकारी एवं स्टाफ मौजूद रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज बांगापाल पहुंचे बाढ़ प्रभावित इलाकों का कर रहे दौरा

दंतेवाड़ा, एजेंसी। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज दंतेवाड़ा के सुरभि कॉलोनी में रह रहे बाढ़ की समस्याओं से लगातार जूझ रहे गरीब पीड़ितों से मुलाकात करने गए,उनकी समस्याओं को सुने और राहत शिविर केंद्र भैरमबंध पहुंचे वहा भी बाढ़ पीड़ितों से चर्चा कर उनकी समस्याओं को सुना... प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज जी के दौरे के बाद तत्काल सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग की टीम, स.ष्ठ.रूपर तुरंत की चार्ज... इस दौरान जिला अध्यक्ष अवधेश गौतम, पूर्व विधायक देवती कर्मा, छविंद कर्मा, तूलिका कर्मा, सुलोचना कर्मा, शकील अहमद रिजवी सहित युवा कांग्रेस एन एस यू आई एवं कार्यकर्तागण मौजूद रहे।

सांस्कृतिक, बौद्धिक और खेल गतिविधियों से गुलजार हुआ सुकमा का रजत जयंती उत्सव

सुकमा, एजेंसी। छत्तीसगढ़, जो वर्ष 2000 में भारत का 26वां राज्य बना, अपनी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और सतत विकास यात्रा के साथ आज देश में एक विशिष्ट पहचान बना चुका है। राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के इस गौरवशाली अवसर पर जिलेभर में रजत जयंती उत्सव 2025 हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में स्कूल शिक्षा विभाग सुकमा द्वारा 28 अगस्त से 7 सितंबर तक जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय शैक्षणिक संस्थानों में विशेष पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसके लिए जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.आर. मण्डावी को कार्यक्रम का नोडल अधिकारी तथा श्री उमाशंकर तिवारी (डीएमसी, समग्र शिक्षा) को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। इस उत्सव के तहत शैक्षणिक संस्थानों में सांस्कृतिक, बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिताओं की श्रृंखला चल रही है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रथम दिवस 28 अगस्त को जिलेभर में सामूहिक पुस्तक वाचन कार्यक्रम

आयोजित हुआ, जिसमें विद्यार्थियों के साथ जनप्रतिनिधि, पालक, शिक्षाविद एवं भूतपूर्व छात्र भी शामिल हुए। द्वितीय दिवस 29 अगस्त को स्पीड रीडिंग प्रतियोगिता और दीवार पत्रिका का विमोचन किया गया।

बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज पीड़ितों से हुए रूबरू'

रायपुर, एजेंसी। बस्तर में आये बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों और दंतेवाड़ा जिले का कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष श्री दीपक बैज ने पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ सघन दौरा किया। राहत शिवरों का दौरा कर बाढ़ पीड़ित परिवारों की समस्याएं सुना और हाल-चाल जाना। शनिवार को दीपक बैज सबसे पहले बाँगापाल, बड़े तुमनार, दंतेवाड़ा, आवराभाटा, सुरभि कॉलोनी, बालपेट (भैरमबद्) का दौरा किया। यहां श्री बैज बालपेट हाई स्कूल व(भैरमबद्) के राहत शिविर पहुंच कर पीड़ितो से मुलाकात की। बाढ़ पीड़ितों ने प्रदेशाध्यक्ष को बाढ़ से हो रही समस्याओं से अवगत कराया। बाढ़ पीड़ितों ने बताया कि जो राहत सामग्री मिल भी रहा है तो वो नाकाफी है। कुछ को मिला तो कुछ का नहीं। प्रभावितो की व्यथा सुन श्री दीपक बैज ने मौके पर ही प्रशासन से भी मांग की कि प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराई जाए और नुकसान की भरपाई के लिए उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही

उन्होंने प्रभावितों से कहा कि कांग्रेस पार्टी बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है और हर संभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को हुई भारी बारिश से जिला मुख्यालय समेत आसपास के अंचलों में काफी तबाही मचा था।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा